मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 45 | अंक : 232 | बुधवार 10 दिसंबर 2025 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. | Mobile.:- 9822045566

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

छुपे-रुस्तम हैं अक्षय

अंबरनाथ का नगराध्यक्ष कौन होगा?

अंबरनाथ नपा चुनाव — भाजपा की तेजश्री करंजुले व शिवसेना की मनिषा वालेकर में कड़ा मुकाबला

- चुनाव के लिए फिर से प्रचार शुरू

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ में फिर से चुनाव प्रचार का शोर सुनाई देने लगा है. नगराध्यक्ष के चुनाव में 8 उम्मीदवार हैं, जिसमें शिवसेना की ओर से मनिषा अरविंद वालेकर एवं भाजपा की ओर से तेजश्री विश्वजीत करंजुले पाटिल नगराध्यक्ष की उम्मीदवार हैं. इन दोनों के बीच तगड़ा मुकाबला है. मनिषा वालेकर द्वारा शिवसेना के जरिए किए गए शहर में विकास कामों को गिना कर वोट मांग रही हैं, तो तेजश्री करंजुले शिवसेना के दौर में हुए भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाकर ना खाऊंगी और ना खाने दूंगी का नारा देकर वोट मांग रही हैं. दोनों पक्ष की ओर से डिजिटल प्रचार किया जा रहा है. दोनों के बीच मुकाबला टफ है. ऐसी चर्चा शहर में है.

कांग्रेस की ओर से नूतन प्रदीप पाटिल नगराध्यक्ष की उम्मीदवार हैं. कांग्रेस शहराध्यक्ष प्रदीप पाटिल की वह पत्नी हैं. प्रदीप पाटिल ने एक वीडियो जारी करते हुए शहरवासियों को ये बताने का प्रयास किया है कि नगर परिषद कार्यालय की 4 मजिला इमारत निर्माण में शिवसेना ने भारी भ्रष्टाचार करते हुए 70 करोड़ रुपयों में यानी 36 हजार वर्गफीट से ये इमारत निर्माण की है. शिवसेना उबाठा की अंजली नी. राऊत पूर्व उपनगराध्यक्ष भी नगराध्यक्ष की उम्मीदवार हैं. उनका दावा है कि लोकसभा चुनाव में मशाल को अच्छे वोट मिले थे. इस बार भी मतदाता उन्हें विजयी बनाएंगे. इसमें कोई शक नहीं है कि उनको भी अच्छे वोट प्राप्त होंगे. नगराध्यक्ष का चुनाव एकदम दिलचस्प मोड पर पहुंच गया है. सभी पक्ष के नेताओं ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. अंबरनाथ का नगराध्यक्ष कौन होगा? इस पर शहर में हर चौक पर गलियारे में चर्चा हो रही है.

नवंबर में 823 लोगों को आवारा कुत्तों ने काटा

अंबरनाथ में आवारा कुत्तों का आतंक

- 7 वर्षीय छात्रा को काट कर किया घायल
- जनवरी से नवंबर तक 4868 को कुत्तों ने काटा
- नपा प्रशासन से कुत्तों के लिए शेल्टर होम बनाने की मांग

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में आवारा कुत्तों का आतंक बहुत ज्यादा बढ़ गया है. नवंबर 2025 एक माह में 823 लोगों को कुत्तों ने काटा है. जनवरी 2025 से नवंबर तक 4868 लोगों को कुत्तों ने काटा है. अंबरनाथ के ओल्ड बालाजी नगर में 8 नवंबर को एक सात वर्षीय मासूम बच्ची जो स्कूल से घर जा रही थी, उसे एक कुत्ते ने पैरों पर काट कर पैर का मांस तक निकाल दिया. छाया उप जिला अस्पताल में कुत्ता काटने के बाद एंटी रैबिज वैक्सीन (एआरवी) लेने के लिए लोगों की कतारें लग रही हैं. रोजाना 25 से 30 लोगों को आवारा कुत्ते काट रहे हैं. छाया अस्पताल के अलावा निजी अस्पतालों में भी वैक्सीन लिए जा रहे हैं. जिसकी संख्या हमें प्राप्त नहीं हो सकी है. 8 नवंबर सोमवार को शहर पश्चिम के ओल्ड बालाजी नगर निवासी रिद्धि मेथारी अंबरनाथ नपा संचालित स्कूल की छात्रा स्कूल छूटने के बाद घर की तरफ जा रही थी कि एक आवारा कुत्ते ने उस पर हमला करके उसको नोच डाला. उसके दोनों पैरों को काट कर बुरी तरह घायल कर दिया. समाजसेवक बोसको और घरवालों ने उसे छाया अस्पताल ले गए, जहां उसका उपचार किया गया. अंबरनाथ नपा स्वास्थ्य विभाग को इसकी खबर की गई लेकिन अब तक कुत्ते को पकड़ने की कोई कार्रवाई ना होने से इस कुत्ते ने यहां पर आतंक फैला रखा है. सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में ये आदेश जारी किया है कि आवारा कुत्तों के लिए शेल्टर होम बनाकर इन कुत्तों को शेल्टर होम में रखा जाए, लेकिन नगर परिषद ने इस ओर कोई कदम नहीं उठाने पर बोस्को ने अफसोस जताया है. आवारा कुत्तों की संख्या है कि दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है. शहर के हर गली कूचे, चौक, रास्तों, सोसायटी में आवारा कुत्तों के झुंड के झुंड दिखाई दे रहे हैं. लोगों के साथ स्कूली बच्चों को काटने के लिए ये फुर्ती से दौड़ते हैं. 8 दिसंबर को कुत्तों के काटने पर वैक्सीन लेने वालों की कतारें छाया अस्पताल में देखी गई. नपा को चाहिए कि इन आवारा कुत्तों का कोई ठोस प्रबंध करे.

उल्हासनगर में 'ऑपरेशन ऑल आउट'

- 3 घंटे के जॉइंट ऑपरेशन में शराबी
- वारंट आरोपी पुलिस के शिकंजे में

34 आपराधिक लोगों को नोटिस जारी किए गए

जांच के दौरान, शराबबंदी के 17 मामलों में 17 नोटिस, NDPS इस्तेमाल के पांच मामलों में पांच नोटिस, तंबाकू के तहत नौ मामले और तीन वारंट जारी किए गए। साथ ही, 34 लोगों को नोटिस जारी किए गए और MPA के सेक्शन 131, 102, 117, 112 के तहत 13 NC फाइल किए गए।

उल्हासनगर. शनिवार रात को उल्हासनगर शहर में डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस, ज़ोन-4 सचिन गोरे के मार्गदर्शन में 'ऑपरेशन ऑल आउट' चलाया गया। शहर में क्राइम पर कड़ी लगाम लगाने के मकसद से पुलिस की स्पेशल टीमों ने अलग-अलग इलाकों में एक साथ कार्रवाई की।

डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस सचिन गोरे (ज़ोन-4) के मार्गदर्शन में 39 अधिकारियों और 194 पुलिसवालों ने यह ऑपरेशन किया। असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस को अपने कंट्रोल एरिया में सीधे क्रिमिनल्स के ठिकानों पर कॉम्बिंग ऑपरेशन को लीड करने का ऑर्डर दिया गया था।

रात में अचानक चलाए गए इस जॉइंट ऑपरेशन में शराबियों से लेकर वारंट आरोपियों तक, सभी को टारगेट किया गया। शहर के 79 लॉज और बार की जांच की गई. साथ ही, 98 हिस्ट्रीशीटर और सस्पेक्टेड माइग्रेंट्स से पूछताछ की गई। ऑपरेशन ऑल आउट के तहत शहर की ज़रूरी जगहों पर एक साथ आठ चेकपॉइंट लगाए गए थे। इस दौरान 202 गाड़ियों की चेकिंग की गई। साथ ही, 24,500 रुपये का जुर्माना भी वसूला गया। उल्हासनगर ट्रैफिक डिपार्टमेंट के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर राजेश शिरसाट की गाइडेंस में टीम ने इस ऑपरेशन में अहम मदद की।

उल्हासनगर में रामदास आठवले की रैली

- स्थानीय BJP-शिंदेसेना नेता मौजूद

रवींद्र चव्हाण और श्रीकांत शिंदे मीटिंग से हटे

कहा जा रहा था कि RPI नेता और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले की मीटिंग में BJP प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और MP श्रीकांत शिंदे चीफ गेस्ट के तौर पर मौजूद रहेंगे। लेकिन, जब से उन्होंने मीटिंग से मुंह मोड़ लिया है, तब से चर्चा शुरू हो गई है कि महागठबंधन में दरार अभी भी जारी है।

उल्हासनगर. RPI लीडर और यूनियन मिनिस्टर रामदास आठवले की रैली में लोकल BJP-शिंदेसेना नेता शामिल हुए और इस समय महायुति का नारा दिया गया। आठवले ने अपोज़िशन पार्टी पर हमला बोला और उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के एक साथ आने की आलोचना की।

उल्हासनगर कैंप नंबर 3, गोलमैदान में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में आठवले ने अपने हमेशा के स्टाइल में शेरो-शायरी में पॉलिटिकल अटैक किए। उन्होंने यह भी कहा कि महानगर पालिका चुनाव का बिगुल बज चुका है और मीटिंग में आए BJP और शिंदेसेना के लोकल नेताओं को देखकर उन्होंने कहा कि दूसरी जगहों पर पॉलिटिकल कुछ भी हो, यहां महायुति है। पार्टी का महानगर पालिका में 7 से ज़्यादा कॉर्पोरेटर जिताने का इतिहास रहा है और पार्टी मज़बूत है। पप्पू कालानी पार्टी के टिकट पर MLA चुने गए थे। उन्होंने उन्हें यह याद दिलाया। आठवले ने कहा, मैं तीन बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा का MP रहा हूं। यह आगे भी जारी रहेगा।

महानगर पालिका चुनाव में पार्टी को सीटों का हिस्सा मिलना चाहिए। इस मौके पर महायुति के नेताओं को यह सुझाव भी दिया गया है। MLA कुमार आयलानी, शिंदे सेना के जिला प्रमुख गोपाल लांडगे ने भी इस मौके पर बात की। MLA सुलभा गायकवाड़, BJP शहर जिला अध्यक्ष राजेश वढारिया, BJP चुनाव समिति प्रमुख प्रदीप रामचंदानी, शिंदे सेना महानगर प्रमुख राजेंद्र चौधरी, उप जिला प्रमुख अरुण आशान, शांताराम निकम और दूसरे नेता मौजूद थे।

उल्हासनगर में हुई इस मीटिंग से लोकल पॉलिटिक्स में महायुति की एकता और आने वाले चुनावों के लिए सीट शेयरिंग को लेकर RPI की उम्मीदें मजबूत होती दिख रही हैं।

कालानी समर्थक अविनाश बिरारे राकांपा गंगोत्री गुट में शामिल

- कालानी को बड़ा झटका
- शहर विकास को प्राथमिकता देने वाले युवाओं को देंगे टिकट-गंगोत्री

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा चुनाव से पूर्व कालानी गुट को बड़ा झटका लगा है जहां उनके कट्टर समर्थक अविनाश बिरारे ने राकांपा जिलाध्यक्ष भारत गंगोत्री में अपना विश्वास दिखाते हुए राकांपा में शामिल हो गए हैं। सोमवार को पैनल 8 उल्हासनगर-3 स्थित गौतम बुद्ध नगर में एक बड़े कार्यक्रम के दौरान अविनाश बिरारे, सीमा बिरारे अपने सैकड़ों की संख्या में राकांपा में प्रवेश पा लिया है। गंगोत्री ने बिरारे का राकांपा में स्वागत किया और कहा कि आगामी चुनाव में हम इसी तरह युवा व नए चेहरों को टिकट देंगे जिन्हें शहर विकास कार्य का जुनून है। राकांपा शहर भर में इसी तरह युवा व नए चेहरों को टिकट देगा जो शहर विकास को प्राथमिकता देंगे।

उल्हासनगर में व्यापारियों को लालच देकर 84 लाख रुपये ठगे

उल्हासनगर. पता चला है कि तरुण बुलचंदानी ने कैंप नंबर 5 के व्यापारी कमल सुरेश लाल केशवानी और दूसरे व्यापारियों को कमीशन पर गुजरात के अहमदाबाद से कपड़े लाने का लालच देकर व्यापारियों से 84 लाख रुपये ठगे। इस मामले में बुलचंदानी के खिलाफ हिललाइन पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

बताया जाता है कि तरुण बुलचंदानी उल्हासनगर ईस्ट के व्यापारी कमल केशवानी और दूसरे व्यापारियों के पास जाता है और फिर अहमदाबाद, गुजरात आकर फैक्ट्री से कमीशन पर कपड़े लाता है। हालांकि, किसी भी कपड़े का ऑर्डर दिए बिना, बुधचंदानी ने कमल केशवानी के अनीता टेक्सटाइल, दीपक आहूजा के परफेक्ट गारमेंट, प्रदीप आहूजा के जीएम फैब्रिक, सुरेश लाल केशवानी की आरती ट्रेडर्स, विजय आहूजा के श्रीहरि टेक्सटाइल, रमेश बलराजन के नारायण फैब्रिक के जीएसटी नंबर का दुरुपयोग किया और पी.एस.के. डेनिम प्राइवेट लिमिटेड अहमदाबाद, गुजरात से 47 लाख 14 हजार 507 रुपये का कपड़ा माल लाया। इसी तरह, बलराम हरिसिंधानी के एस.एस. फैशन के जीएसटी नंबर का उपयोग करके, उन्होंने वी कॉटन स्पन सिष्टेश्वर फैब्रिक, लीला फैब्रिक, जे. के. इंटरनेशनल कंपनी, अहमदाबाद, गुजरात से 36 लाख 98 हजार 10 रुपये का माल लाया, जिसका कुल मूल्य 84 लाख 12 हजार 517 रुपये था। यह घटना सितंबर 2024 और सितंबर 2025 के बीच हुई। इस संबंध में हिललाइन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

गुरवली रेलवे स्टेशन नहीं बन सकता

- रेलवे ने किया स्पष्ट, शेड्यूल पर असर पड़ेगा

कल्याण. सेंट्रल रेलवे के टिटवाला-खडावली स्टेशन के बीच गुरवली स्टेशन की मांग ठाणे रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट नंदकुमार देशमुख ने की थी। हालांकि, रेलवे प्रशासन ने एक लेटर में बताया है कि इसे नहीं बनाया जा सकता. रेल प्रशासन का कहना है कि अगर यह स्टेशन बनता है, तो इससे ट्रेन के शेड्यूल पर असर पड़ेगा और पैसेंजर्स को परेशानी होगी। सेंट्रल रेलवे के डिप्टी चीफ कमर्शियल मैनेजर दीपक शर्मा की दी गई जानकारी के मुताबिक, अगर गुरवली स्टेशन बनता है और उस जगह पर लोकल ट्रेनें रुकती हैं, तो ट्रेनों के चलने का समय बढ़ जाएगा, जिससे मौजूद ट्रेनों के कैंसिल होने की संभावना है। इसलिए, मौजूदा लोकल ट्रेनों के शेड्यूल पर असर पड़ेगा, ऐसा लेटर में बताया गया है। देशमुख ने महसूस किया कि इस लेटर की वजह से गांव वाले 1965 से स्टेशन को असलियत बनाने के लिए हुई प्रोग्रेस को फॉलो कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रेलवे का मना करना एग्रीमेंट में शामिल है और वह फिर से फॉलो अप करेंगे।

देशमुख ने 28 सितंबर और 6 अक्टूबर को सेंट्रल रेलवे को वहां स्टेशन बनाने के बारे में लिखा था। उन पत्रों के आधार पर, रेलवे अधिकारियों ने 26 अगस्त, 2022, 4 जून, 2024 और 14 नवंबर, 2024 को अपने पत्रों में बार-बार यही टेक्निकल कारण बताते हुए साफ किया था कि रेलवे वहां स्टेशन नहीं बना सकता, ऐसा पत्र में भी कहा गया है।

रेलवे यात्री संगठनों ने महसूस किया है कि इस पत्र के कारण ग्रामीणों का फॉलो-अप उल्टा पड़ गया है। यह भी कहा गया है कि वे इस मामले पर फॉलो-अप करते रहेंगे। रेलवे यात्री संगठनों ने कहा है कि अगर गुरवली स्टेशन बनता है, तो यात्रियों को आसानी होगी।

ईरानी महिला से 4.5 लाख की ड्रग्स ज़ब्त

कल्याण. एंटी-नारकोटिक्स स्पेशल स्क्वॉड ने शुक्रवार दोपहर कल्याण के पास अंबिवली बस्ती की रहने वाली 32 साल की एक महिला के पास से 4.40 लाख रुपये से ज़्यादा कीमत का मेफेड्रोन (M.D.) नाम का ड्रग्स जैसा पाउडर ज़ब्त किया, जो सेहत के लिए नुकसानदायक है।

स्पेशल एक्शन टीम ने अंबिवली के पास वडावली इलाके में निर्मल लाइफस्टाइल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स की ओर जाने वाली सड़क पर फातिमा तरबेज जाफरी (32) नाम की महिला से M.D. पाउडर ज़ब्त किया, जो ड्रग्स जैसा ही है। यह महिला अंबिवली में जियो मार्ट के पास ग्रेट मदर बिल्डिंग में रहती है। अंबिवली ईरानी बस्ती इलाके में हमेशा ड्रग्स की तस्करी होती रहती है। इसलिए, पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड इस इलाके में लगातार गश्त करती है। इन गश्तों से तस्कर पुलिस के जाल में फंस जाते हैं।

शुक्रवार दोपहर को स्पेशल एक्शन टीम के असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर अनिल गायकवाड़, पुलिस सब-इंस्पेक्टर जितेंद्र ठोके, कांस्टेबल राहुल शिंदे, अमित शिंदे, अनिल खरसन अंबिवली, वडवली, अटाली इलाकों में पेट्रोलिंग कर रहे थे। इस टीम की पेट्रोलिंग गाड़ी वडवली इलाके से निर्मल लाइफस्टाइल रोड से गुजर रही थी। उस समय उन्हें दूर से अनंता पेपर मिल इलाके में एक महिला संदिग्ध हरकतें करती दिखी।

पुलिस ने अपनी गाड़ी उस तरफ मोड़ दी। पुलिस ने उसके पास रखे बैग की तलाशी ली। उसमें प्लास्टिक की थैलियों में लिपटा 22 ग्राम मेफेड्रोन पाउडर मिला। महिला के पास यह ड्रग देखकर पुलिस हैरान रह गई। महिला ने पुलिस को बताया कि उसका नाम फातिमा जाफरी है। उसने बताया कि वह अंबिवली ईरानी बस्ती में रहती है।

इस ड्रग की मार्केट कीमत चार लाख 40 हजार रुपये थी। पुलिस ने उसके पास से एम.डी. पाउडर का स्टॉक जब्त कर लिया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन लाया गया। खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन के कांस्टेबल राहुल शिंदे की शिकायत पर पुलिस ने फातिमा जाफरी के खिलाफ नारकोटिक्स कंट्रोल एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने फातिमा को गिरफ्तार कर लिया है।

उसे यह M.D. पाउडर किससे मिला? वह यह स्टॉक किसे बेचने वाली थी? क्या वह पहले भी ऐसे किसी क्राइम में एक्टिव रूप से शामिल रही है? पुलिस ने फातिमा की कई एंगल से जांच शुरू कर दी है, जैसे कि वह इस ड्रग स्मगलिंग की कैरियर है या नहीं।

ट्रक की टक्कर से युवक की दुर्घटना स्थल पर दर्दनाक मौत

भिवंडी. भिवंडी ठाणे रोड पर काल्हेर स्थित बी मार्ट के सामने सड़क पर सोमवार रात एक तेज रफ्तार ट्रक द्वारा बाइक सवार युवक को टक्कर मारने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। इस संबंध में नारपोली पुलिस स्टेशन में ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हादसे में मारे गए बाइक सवार का नाम नरेश खिमजी मीनात (44, निवासी बोरीवली, मुंबई) है। पुलिस के मुताबिक, नरेश सोमवार को काम के सिलसिले में भिवंडी आया था।इस बीच, रात करीब 10 बजे, जब वह भिवंडी से अंजुर फाटा होते हुए ठाणे की ओर दोपहिया वाहन से जा रहा था, तभी टाटा कंपनी के हाईवे ट्रक के.एम.एच. 04 जी.आर. 8717 के चालक ने लापरवाही और लापरवाही से अपने ट्रक को तेज गति से चलाते हुए मृतक नरेश के दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे ट्रक का अगला पहिया उसके चेहरे के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस बीच, घटना की जानकारी मिलते ही नारपोली पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच की, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। इस दुर्घटना मामले में मृतक नरेश के भाई भावेश मिनात की शिकायत पर नारपोली पुलिस स्टेशन में चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास – लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

चुनाव आयोग का सही विचार

चुनाव आयोग को केवल इस पर विचार ही नहीं करना चाहिए कि मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर एक निश्चित अवधि में हो, बल्कि उसे अपने इस विचार को अमल में लाने के लिए कोई ठोस व्यवस्था भी बनानी चाहिए। यह ठीक नहीं कि 2002-03 के बाद से अब जाकर एसआइआर कराने का फैसला लिया गया। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि इतने लंबे अंतराल के बाद एसआइआर होने के चलते विपक्षी दलों को यह माहौल बनाने का बहाना मिल गया कि चुनाव आयोग कोई नया-अनोखा काम कर रहा है।

औसत लोग भी इससे अवगत नहीं थे कि एसआइआर चुनाव आयोग का एक संवैधानिक दायित्व है और उसे समय-समय पर कराया ही जाना चाहिए। जनगणना की तरह एक निश्चित अंतराल पर एसआइआर केवल इसलिए नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। इसकी आवश्यकता इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि अब रोजगार, शिक्षा एवं अन्य कारणों से लोग कहीं अधिक संख्या में अन्यत्र प्रवास करते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में दूसरे शहर या राज्य में बस भी जाते हैं। इसके अतिरिक्त एक ही शहर में रहने वाले लोग भी अपने ठिकाने बदलते रहते हैं।

जितना जरूरी यह है कि नए वोटर मतदाता सूची में अंकित होते रहें, उतना ही यह भी कि जिनका निधन हो गया हो या फिर जो अन्य कहीं जाकर बस गए हों, उनके नाम उससे हटते भी रहें। यदि यह काम एक निश्चित अंतराल में नहीं किया जाएगा तो मतदाता सूचियों को दुरुस्त किया जाना संभव नहीं होगा और इसके अभाव में उनमें गड़बड़ी की शिकायतों से कभी छुटकारा नहीं मिल पाएगा।

अच्छा होगा कि मतदाता सूचियों को सही करना एक सतत प्रक्रिया का हिस्सा बने। नीर-क्षीर ढंग से चुनाव के लिए मतदाता सूचियों का सही होना आवश्यक है। यह हैरानी की बात है कि विपक्षी दल मतदाता सूचियों में गड़बड़ी की शिकायत भी कर रहे हैं और एसआइआर भी नहीं होने देना चाह रहे हैं। उन्हें बताना चाहिए कि एसआइआर के बिना मतदाता सूचियों को सही किया जाना कैसे संभव है? इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कई राजनीतिक दल एसआइआर के चलते बीएलओ और आम लोगों को हो रही परेशानी का उल्लेख तो कर रहे हैं, लेकिन वे इस प्रक्रिया में सहयोग नहीं कर रहे हैं।

अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकते गांव, भारत की आर्थिक सूरत बदल रही

भारत ने 2024-25 में 35.77 करोड़ टन अनाज पैदा करके एक ऐतिहासिक रिकार्ड बनाया है। पिछले दस सालों में भारत का खाद्यान्न उत्पादन 10 करोड़ टन बढ़ा है। यह खेती में आत्मनिर्भरता और गांवों के विकास की तरफ देश की लगातार बढ़ती रफ्तार को दिखाता है। इस समय जहां वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर लगभग तीन प्रतिशत है और जी-7 देशों की अर्थव्यवस्थाएं औसतन करीब 1.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, वहीं भारत में 2025-26 की दूसरी तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही है।

इन दिनों भारत के आर्थिक परिदृश्य से संबंधित विभिन्न अध्ययन रिपोर्टों में यह तथ्य रेखांकित हो रहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में ग्रामीण भारत से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। इन रिपोर्टों के अनुसार गांवों में खपत तेजी से बढ़ रही है। ग्रामीण गरीबी में कमी, छोटे किसानों की साहूकारी कर्ज पर निर्भरता में कमी, ग्रामीण खपत में वृद्धि, किसानों का जीवन स्तर बढ़ने जैसी विभिन्न अनुकूलताओं से ग्रामीण भारत मजबूती की राह पर आगे बढ़ रहा है। रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति समीक्षा की हालिया बैठक में कहा भी कि भारत में महंगाई घटने में कृषि उत्पादन और ग्रामीण विकास का महत्वपूर्ण योगदान है और आगे भी महंगाई नियंत्रण में खाद्यान्न उत्पादन की अहम भूमिका रहेगी।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण सुधार, बेहतर कृषि उत्पादन, ग्रामीण उपभोग में बढ़ोतरी तथा कर सुधार जैसे घटकों के दम पर भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। इसी तरह एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स द्वारा प्रकाशित एशिया-पैसिफिक इकोनमिक आउटलुक रिपोर्ट 2025 के मुताबिक ग्रामीण भारत में विकास की सकारात्मकता है। महंगाई घटने और करों में कटौती से भारत की ग्रामीण खपत में सुधार हुआ है। रिजर्व बैंक द्वारा प्रकाशित ग्रामीण उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक साल में 76.7 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों में उपभोग वृद्धि और 39.6 प्रतिशत परिवारों में आय में वृद्धि सामने आई है। इसी तरह एसबीआइ रिसर्च द्वारा गरीबी पर जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबी में कमी शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक तेजी से आई है।

जहां 2011-12 में ग्रामीण गरीबी 25.7 प्रतिशत और शहरी गरीबी 13.7 प्रतिशत थी, वहीं 2023-24 में ग्रामीण गरीबी घटकर 4.86 प्रतिशत और शहरी गरीबी घटकर 4.09 प्रतिशत पर आ गई है। हाल में जारी नाबार्ड की सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में अब 54.5 प्रतिशत परिवार औपचारिक स्रोतों-क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, सहकारी समितियों आदि से ऋण लेते हैं, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। उल्लेखनीय है कि 2019 से शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना भी करोड़ों छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय मजबूती दे रही है।

अप्रैल 2020 से शुरू की गई पीएम स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनकी जमीन का कानूनी हक देकर उनके आर्थिक सशक्तीकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में औपचारिक ऋण व्यवस्था ने अच्छी प्रगति की है। गांवों में बैंक शाखाओं की संख्या मार्च 2010 के 33,378 से बढ़कर दिसंबर 2024 तक 56,579 हो गई है। इसके साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड, सहकारी समितियों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूह, ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था भी प्रभावी भूमिका निभा रही है। सरकार ने बीते 11 वर्षों में फसलों पर दी जाने वाली सब्सिडी और फसल बीमा राशि को बढ़ाया है। हालांकि देश का कुल कृषि निर्यात 50 अरब डालर के पार पहुंच गया है, लेकिन हमें अभी भी ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की प्रगति के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। छोटे और सीमांत किसान आधुनिक खेती की तकनीक अपनाने में असमर्थता अनुभव कर रहे हैं। छोटे किसान आनलाइन खरीदारी में बहुत पीछे हैं। अभी भी ग्रामीण जनजीवन के करीब 22 प्रतिशत लोगों की कर्ज के लिए साहूकारों और अन्य अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भरता बनी हुई है।

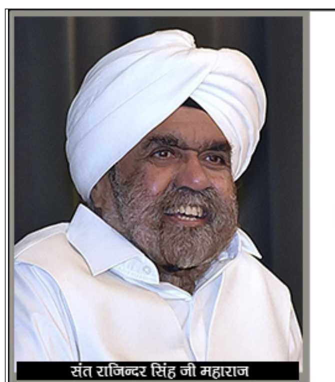
संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

आत्मा उसी सार-तत्त्व से बनी है जिससे परमात्मा।

– संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान – सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम – शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

इंतजामों में लापरवाही कब रुकेगी?

किसी भी हादसे का मुख्य सबक यह होना चाहिए कि उस तरह की घटना से बचने के लिए हर उपाय किए जाएं, ताकि वैसा दोबारा न हो। मगर आए दिन लगभग समान दिखने वाले हादसों की खबरें आती रहती हैं, उसमें नाहक लोगों की जान जाती है और कई बार एक ही प्रकृति की लापरवाही आम पाई जाती है।

गोवा के एक नाइट क्लब में शनिवार रात जिस तरह आग लगी और उसमें कम से कम पच्चीस लोगों की जान चली गई, उससे फिर यही पता चलता है कि सुरक्षा और व्यवस्था संबंधी जरूरी पक्ष को लेकर लापरवाही के नतीजे क्या हो सकते हैं। आग लगने के वास्तविक कारण जांच के बाद ही सामने आएंगे, मगर किसी भी जगह ऐसे हादसे में जानमाल की क्षति का मुख्य कारण बचाव के पर्याप्त इंतजाम न होने से आग का तेजी से फैलना होता है।

खबरों के मुताबिक, गोवा के उस क्लब में भी आपात स्थिति में बाहर निकलने का रास्ता बेहद संकरा था, जिसमें कई लोग फंस गए। विडंबना यह है कि नाइट क्लब या ज्यादा लोगों के जमावड़े वाली जगहों पर चकाचौंध पैदा करने के लिए भारी खर्च किए जाते हैं, लेकिन आपात स्थिति में बचाव को लेकर अमूमन सभी जरूरी पहलुओं को लेकर घोर लापरवाही बरती जाती है।

किसी भी हादसे की स्थिति में सबसे बुनियादी और प्राथमिक जरूरत बचाव का उपाय होती है। मगर जानमाल के व्यापक नुकसान की लगभग सभी घटनाओं में कारण के तौर पर एक विचित्र तरह की समानता पाई जाती है कि वहां अग्नि शमन की व्यवस्था या तो नहीं थी या फिर वह काम नहीं कर रही थी। निश्चित तौर पर यह संबंधित भवन के मालिक और प्रबंधन की लापरवाही होती है, लेकिन अक्सर लोगों के जमा होने की जगहों पर आग लगने की स्थिति में बचाव इंतजामों की जांच करने के मामले में सरकार या संबंधित महकमों की जिम्मेदारी क्या होती है?

गोवा को एक अहम पर्यटक स्थल और अपेक्षया एक सुरक्षित जगह के रूप में देखा जाता रहा है। मगर नाइट क्लब में आग लगने से जिस तरह पच्चीस लोगों की जान चली गई, उसके बाद वहां के जोखिम को लेकर भी अब सवाल उठने लगे हैं। इस हादसे के बाद गोवा के बाकी क्लबों में भी अग्नि शमन, सुरक्षा और बचाव के उपायों की स्थिति की जांच की मांग की जा रही है।

सवाल है कि आग लगने की स्थिति में बचाव या सुरक्षा का इंतजाम एक अनिवार्य व्यवस्था क्यों नहीं होनी चाहिए, जिसमें मामूली लापरवाही की भी गुंजाइश न हो! अव्वल तो समूचा ढांचा ऐसा तैयार होना चाहिए, जिसमें कोई सामान्य तकनीकी गड़बड़ी बड़े हादसे में तब्दील न हो। दूसरे, किसी भी वजह से आग लगने की आशंका के मद्देनजर हर स्तर पर बचाव के ऐसे पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि उस पर तुरंत काबू पाया जा सके।

यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी इमारतों तक अग्नि शमन सेवा के वाहनों की आसान पहुंच हो। कई बार आग व्यापक तबाही का कारण इसलिए बनती है कि उस पर काबू पाने के उपाय अपर्याप्त होते हैं, लोगों के बाहर भागने और अग्नि शमन वाहनों के घटनास्थल पहुंचने का रास्ता संकरा या बाधित होता है।

हादसे और उसमें लोगों की मौत के बाद सरकार तथा प्रशासन की ओर से कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई और हताहतों या उनके परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की औपचारिकता जरूर पूरी की जाती है, लेकिन नियम-कायदों पर अमल को लेकर अगर प्रशासनिक सक्रियता सामान्य दिनों में भी कायम रहे तो शायद कई त्रासदियों से बचा जा सकता है।

झील के नीचे दफ्न थी 'पाताल लोक' जैसी बस्ती

सोचिए...आप किसी शांत झील में आराम से तैर रहे हों और अचानक नीचे आपको ईंटों के बने घर, सड़क-इमारतें और सदियों पुराने कब्रिस्तान की

जरा हट के

झलक दिखाई दे जाए, ऐसा नजारा डर भी पैदा कर सकता है. साथ ही उसे देखने के लिए आपके मन में उत्सुकता भी पैदा होगी. किर्गिस्तान की इस्सिक-कुल झील में बिल्कुल यही हुआ. वैज्ञानिकों के सामने 600 साल से पानी के नीचे छिपी एक पूरी इस्लामिक बस्ती, सिल्क रूट का व्यस्त व्यापारिक केंद्र और रहस्यों से भरी एक मध्यकालीन बस्ती सामने आ गई है.

Popular Mechanics की रिपोर्ट बताती है कि यह इलाका कभी रेशम, मसालों और अनमोल वस्तुओं का महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग था. रूसी अकादमी ऑफ साइंसेज के शोधकर्ताओं के अनुसार, 15वीं सदी में आए भीषण भूकंप ने इस बस्ती को पूरी तरह निगल लिया. जहां कभी मस्जिदों की अजान

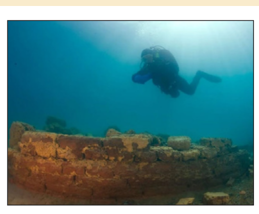

और बाजारों की चहल-पहल थी, वहां अब सिर्फ झील की शांत लहरें रह गई हैं.

झील की सतह से करीब 13 फीट नीचे जो अवशेष मिले, उनमें शामिल हैं. ईंटों से बनी इमारतें और पुरानी मिलस्टोन जिसे अनाज पीसने वाली चक्की भी कहते हैं, लकड़ी के ढांचे साथ ही कीमती मिट्टी के बर्तन और इस्लामिक कब्रिस्तान, जिसमें दो कब्रें मक्का की दिशा में बनी थीं.

खोजकर्ताओं का कहना है, कि दृश्य देखकर ऐसा लगा जैसे किसी कहानी का वास्तविक "अंडरवॉटर अटलांटिस" अचानक सामने आ गया हो. इमारतों की बनावट से यह भी अनुमान लगाया गया कि यहां कभी मस्जिद, हमाम और इस्लामिक शिक्षण संस्थान मौजूद रहे होंगे. भूकंप ने शहर को तबाह कर दिया, लोग वहां से पलायन कर गए और धीरे-धीरे इस बस्ती का नामो-निशान तक इतिहास से गायब हो गया.

सदियों बाद जाकर पता चला कि शांत झील की गहराइयों में कभी एक समृद्ध और चहल-पहल से भरा शहर बसता था. यह खोज फिर से साबित करती है कि धरती के जलस्रोत सिर्फ जीव-जंतुओं को ही नहीं, बल्कि इतिहास के अनगिनत रहस्यों को भी अपने भीतर छुपाए रखते हैं और सही समय आने पर वे खुद अपनी कहानी दुनिया को सुना देते हैं.

बथुए का रायता

सामग्री

- बथुआः 250 ग्राम
- दहीः 2 कप
- हरी मिर्चः 1-2
- भुना हुआ जीरा पाउडरः 1 छोटा चम्मच
- काला नमकः स्वादानुसार
- सादा नमकः स्वादानुसार
- लाल मिर्च पाउडरः एक चुटकी
- सरसों का तेलः 1 बड़ा चम्मच
- जीराः आधा छोटा चम्मच
- हींगः 1 चुटकी
- लहसुनः 2-3 कलियां

बनाने की विधि

सबसे पहले बथुए की पत्तियों को पानी से 2-3 बार अच्छी तरह धो लें ताकि सारी मिट्टी निकल जाए। अब एक बर्तन में थोड़ा पानी लें और बथुए को 5-7 मिनट तक उबालें जब तक कि वह नरम न हो जाए। उबालने के बाद बथुए का पानी छान लें और उसे ठंडा होने दें। ठंडा होने पर इसे मिक्सी में दरदरा पीस लें। बिल्कुल बारीक पेस्ट न बनाएं, थोड़ा रेशा मुंह में आए तो स्वाद अच्छा लगता है। दही का जादू एक बड़े कटोरे में दही लें और उसे व्हिस्क या रई से अच्छी तरह फेंट लें ताकि वह एकदम क्रीम जैसा

हो जाए। अब इसमें पिसा हुआ बथुआ, कटी हुई हरी मिर्च, भुना जीरा पाउडर, काला नमक और सादा नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद एक छोटे तड़का पैन में सरसों का तेल गर्म करें। जब तेल से हल्का धुआं उठने लगे, तो गैस धीमी करें और उसमें जीरा और हींग डालें। अब इसमें बारीक कटा हुआ लहसुन डालें और सुनहरा होने तक भूनें। इस गरमा-गरम तड़के को तुरंत रायते के ऊपर डालें और कटोरे को 2 मिनट के लिए प्लेट से ढक दें। ढकने से हींग और लहसुन की सोंधी खुशबू रायते के अंदर समा जाएगी। 2 मिनट बाद ढक्कन हटाएं और हल्के हाथ से मिलाएं।

बस, फिर तैयार है आपका सुपर टेस्टी बथुए का रायता। इसे गरमा-गरम पराठे, पुलाव या दाल-चावल के साथ परोसें। यकीन मानिए, इसका स्वाद ऐसा है कि पेट भर जाएगा, लेकिन मन नहीं।

क्या आप भी बिना सोचे-समझे ले रहे हैं मल्टीविटामिन?

नई स्टडी ने बताया किसे है इसकी असली जरूरत

अक्सर हमें मल्टीविटामिन का कोई साफ असर दिखाई नहीं देता, फिर भी हम यह रूटीन नहीं छोड़ते हैं। अगर आपके मन में भी ये सवाल हैं, तो अब आपको और भटकने की जरूरत नहीं है। जी हां, Mass General Brigham की नई रिसर्च ने इन सवालों के जवाब दे दिए हैं और बताया है कि आखिर इन गोलियों का असली सच क्या है।

किन लोगों को मिलता है सबसे ज्यादा फायदा?

रिसर्च के मुताबिक, मल्टीविटामिन का फायदा सभी को एक बराबर नहीं मिलता। इसका सबसे ज्यादा फायदा बुजुर्गों को मिलता है। जी हां, एक्सपर्ट्स का कहना है कि जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर भोजन से पोषक तत्वों को ठीक से सोख नहीं पाता या फिर डाइट में उतनी विविधता नहीं रह जाती। ऐसे में, मल्टीविटामिन उन कमियों को पूरा करने में मददगार साबित होते हैं।

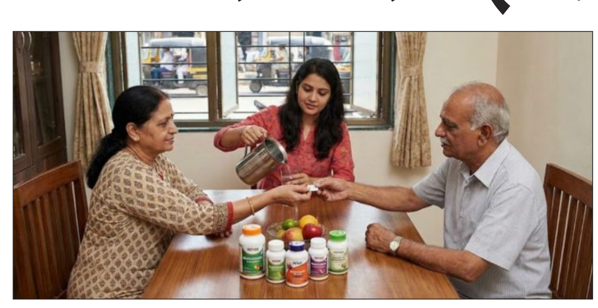

क्या कहती है नई रिसर्च?

हाल ही में हुए COSMOS अध्ययन में 5,000 से ज्यादा बुजुर्गों के डेटा का विश्लेषण किया गया। इस रिसर्च के नतीजे बताते हैं कि मल्टीविटामिन हर किसी के लिए 'जादुई इलाज' नहीं है, लेकिन कुछ खास लोगों के लिए यह बेहद फायदेमंद हो सकता है। रिसर्च में पाया गया कि रोजाना मल्टीविटामिन लेने से दिमाग की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो सकती है और याददाश्त को बेहतर बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

रिसर्च बताती है कि मल्टीविटामिन इनके लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद हैं:

60 वर्ष से ज्यादा उम्र के लोगः जिनकी याददाश्त उम्र के साथ कमजोर हो रही है।

हार्ट पेशेंट्सः स्टडी बताती हैं कि जिन लोगों को दिल की बीमारी थी, मल्टीविटामिन लेने पर उनकी याददाश्त में सबसे ज्यादा सुधार देखा गया।

पोषक तत्वों की कमी वाले लोगः जिनका शरीर भोजन से पूरी तरह न्यूट्रिशन नहीं ले पाता।

आपके लिए क्या है इसका मतलब?

इस रिसर्च का निष्कर्ष बहुत साफ है- मल्टीविटामिन एक 'सप्लीमेंट' है, न कि अच्छी डाइट का विकल्प। अगर आपकी उम्र 60 से कम है और आप हेल्दी हैंः अगर आप ताजे फल, सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन से भरपूर बैलेंस डाइट लेते हैं, तो आपको मल्टीविटामिन से बहुत ज्यादा फायदा शायद न मिले।

60 से ऊपर हैंः अगर आपको लगता है कि आपकी याददाश्त कमजोर हो रही है या आपकी डाइट बहुत अच्छी नहीं है, तो रोजाना एक मल्टीविटामिन लेना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

सावधानी भी है जरूरी

मल्टीविटामिन शुरू करने से पहले हमेशा अपने डॉक्टर से सलाह लें, खासकर अगर आपको पहले से कोई बीमारी है या आप अन्य दवाएं ले रहे हैं। याद रखें, अच्छी सेहत की नींव हमेशा अच्छा खान-पान और एक्टिव लाइफस्टाइल ही होती है।

आज का राशिफल

मेष : कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच–समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। धार्मिक अनुष्ठान पूजा–पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट–कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। समय अनुकूल है।

वृषभ : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर–बाहर प्रसन्नता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है।

मिथुन : कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान–सम्मान मिलेगा। सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। व्यापार–व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। घर–बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कर्क : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

सिंह : किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच–समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है। लेन–देन में सावधानी रखें। कुसंगति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

कन्या : घर–बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। धन प्राप्ति सुगम होगी। शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन–देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट के कार्य अनुकूल रहेंगे।

तुला : धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। भाग्य का साथ रहेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा।

वृश्चिक : किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम–प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कष्ट व भय सताएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा।

धनु : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश सोच–समझकर करें। राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है।

मकर : प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान–सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें। लेन–देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। व्यापार ठीक चलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

कुंभ : दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार–व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे।

मीन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है। किसी न्यायपूर्ण बात का भी विरोध हो सकता है। विवाद न करें। कुबुद्धि हावी रहेगी। चोट व रोग से बचें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

वॉक करते समय कर रहे हैं 5 गलतियां

तो फायदे की जगह खुद को नुकसान पहुंचा बैठेंगे आप

हेल्दी रहने के लिए रोजाना वॉक करना सबसे आसान और फायदेमंद एक्सरसाइज मानी जाती है। यह न केवल वजन कम करने में मदद करता है, बल्कि दिल की बीमारियां, डायबिटीज और स्ट्रेस जैसी समस्याओं से भी बचाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वॉक करने के तरीके में छोटी–छोटी गलतियां आपकी सेहत को फायदे की बजाय नुकसान पहुंचा सकती हैं?

गलत जूतों का चयन

वॉक के दौरान सबसे बड़ी गलती गलत फुटवियर पहनना है। टाइट जूते, सैंडल, या फ्लैट चप्पल पहनकर वॉक करने से पैरों में दर्द, एड़ियों में चोट, यहां तक कि प्लांटर फैसीसाइटिस की समस्या हो सकती है। हमेशा ऐसे जूते चुनें जो आरामदायक हों, एड़ी को सही सपोर्ट दें और तलवों में कुशनिंग हो। वॉकिंग या स्पोर्ट्स शूज इसके लिए सबसे बेहतर हैं।

गलत पोश्चर

कई लोग वॉक करते समय झुककर चलते हैं, सिर नीचा कर लेते हैं या कंधे आगे की ओर झुका लेते हैं। इस गलत पोश्चर से कमर

दर्द, गर्दन में अकड़न और रीढ़ की हड्डी पर दबाव बढ़ता है। सही तरीका यह है कि सीधे खड़े होकर, सिर ऊपर, कंधे सीधे और छाती खुली रखते हुए चलें। कदम हमेशा एड़ी से पंजे की ओर रखें।

बिना वॉर्म-अप के चलना शुरू कर देना

अचानक तेज गति से वॉक शुरू करना मांसपेशियों और जोड़ों के लिए खतरनाक हो सकता है। इससे मोच आने या मांसपेशियों में खिंचाव का जोखिम रहता है। वॉक से पहले 5-10 मिनट हल्की स्ट्रेचिंग या धीमी वॉक जरूर करें। इसी तरह, वॉक खत्म करने के बाद भी कूल डाउन करें ताकि हार्ट बीट धीरे-धीरे सामान्य हो सके।

ज्यादा लंबे कदम उठाना

कुछ लोग सोचते हैं कि लंबे-लंबे कदम उठाने से ज्यादा कैलोरी बर्न होगी, लेकिन यह गलत है। बहुत लंबे कदम उठाने से जांघों, घुटनों और पीठ पर ज्यादा दबाव पड़ता है, जिससे चोट लग सकती है। नेचुरल और आरामदायक कदम ही सही रहते हैं। कदमों की गति धीरे-धीरे बढ़ाएं, लेकिन लंबाई बढ़ाने की जरूरत नहीं है।

पानी न पीना

वॉक करने से पहले पर्याप्त पानी न पीना डिहाइड्रेशन का कारण बन सकता है। वहीं, बिल्कुल खाली पेट तेज वॉक करने से चक्कर आना, कमजोरी या शुगर लेवल गिरने की समस्या हो सकती है। वॉक से करीब 30 मिनट पहले हल्का पानी पिएं और अगर लंबी वॉक पर जा रहे हैं, तो साथ में पानी की बोतल जरूर रखें। हल्का स्नैक (जैसे केला या मुट्ठीभर ड्राई फ्रूट) भी ले सकते हैं।

गार्डनिंग का शौक है तो जान लें ये नियम...

आजकल गार्डनिंग का शौक तेजी से बढ़ रहा है. घर की छत, बालकनी या छोटे से आंगन में भी लोग पौधों को सजाकर हरियाली का आनंद ले रहे हैं. लेकिन पौधों की देखभाल करते समय कुछ जरूरी सावधानियां अपनाना जरूरी होता है, ताकि पौधे भी अच्छे रहें और आप भी सुरक्षित रहें. अमन नर्सरी के संचालक नीतीश कुमार ने इस बारे में जरूरी जानकारियां साझा की है. उन्होंने बताया कि सबसे पहले मिट्टी और खाद सही होनी चाहिए. गार्डनिंग में हमेशा साफ और पौष्टिक मिट्टी का उपयोग करें और समय–समय पर मिट्टी में जैविक खाद मिलाते रहें, पर ध्यान रहे कि खाद डालते समय दस्ताने पहनना न भूलें. कई बार कच्ची खाद या खराब मिट्टी से संक्रमण होने का डर रहता है.

पानी का भी रखें ध्यान

दूसरा जरूरी पहलू है सिंचाई और पानी प्रबंधन, क्योंकि पौधों को जरूरत के हिसाब से ही पानी देना सही माना जाता है. जरूरत से ज्यादा पानी देने पर जड़ें सड़ सकती हैं और मच्छरों के बढ़ने का खतरा भी बढ़ जाता है. सुबह या शाम के समय पानी देना अच्छा माना जाता है, क्योंकि इस समय पानी पौधों में आसानी से पहुंच जाता है.

अब अगर सुरक्षा की बात करें, तो गार्डनिंग करते समय दस्ताने, मास्क और बंद जूते पहनने की आदत डालें, क्योंकि कई पौधों में कांटे होते हैं और कुछ पौधों से एलर्जी की भी संभावना रहती है. कटी-फटी जगहों को तुरंत साफ करें और जरूरत हो तो एंटीसेप्टिक लगाएं.

अपना भी ध्यान रखें

धूप और गर्मी का भी ध्यान रखना जरूरी है, क्योंकि कई पौधे सीधे तेज धूप सहन नहीं कर पाते, इसलिए ऐसे पौधों को हल्की छाया में रखें.

वहीं काम करते समय खुद भी धूप से बचें और पर्याप्त पानी पीते रहें. आखिर में कीटनाशकों का उपयोग बहुत सावधानी के साथ करें. कोशिश करें कि जैविक तरीके से ही कीट नियंत्रण हो. कैमिकल स्प्रे करते समय आंख और नाक ढकें और बच्चों व पालतू जानवरों को दूर रखें.

समय पर देखभाल, सही जानकारी और थोड़ी सी सावधानी अपनाकर आप अपने घर की हरियाली को और भी सुंदर और सुरक्षित बना सकते हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

अब बुलंदशहर में पीट-पीटकर हत्या

बुलंदशहर. यूपी के बुलंदशहर में अब एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है। डिबाई कोतवाली क्षेत्र के भीमपुर दोराहा पर फेरी करने वाले युवक के साथ दो युवकों ने मारपीट की। मृतक की पत्नी ने दो-तीन तथा अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों रविंद्र वर्मा और भरत को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। छोटे से विवाद के बाद मारपीट की बात कही जा रही है। कस्बा तथा थाना छतारी निवासी युसुफ पुत्र निजाम खान 40 वर्ष फेरी का कार्य करता है। युसुफ की पत्नी शकीला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि उसका पति रविवार को किसी कार्य से भीमपुर दोराहा गया था। इसी दौरान दो-तीन तथा कुछ अज्ञात लोगों ने उसके साथ मारपीट कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

पति ने खाना मांगा तो पत्नी ने चाकू से रेत दिया गला, मां-भाई से सास-ससुर को पिटवाया

बांदा. यूपी के बांदा से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां खाना मांगने पर पति-पत्नी के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि पत्नी ने पति का चाकू से गला रेत दिया। यही नहीं मायकेवालों को बुलाकर सास-ससुर को भी पिटवाया। घटना में पति गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोप है कि मौके पर पहुंचे साले और सास ने घायल के पिता और मां को भी जमकर पीटा। खून से लथपथ पति को छोड़कर पत्नी घर से नगदी और मोबाइल लेकर चली गई। परिजनों ने गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। बिसंडा थाना क्षेत्र के घूरी गांव निवासी 28 वर्षीय बलराम पुत्र बच्ची मजदूरी करता है। शनिवार को वह मजदूरी करने गया था। शाम को वह मजदूरी करने के बाद घर लौटा उसने रात में पत्नी से खाना मांगा। इस पर पत्नी ने कहा कि खुद ही निकाल कर खा लो। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। बात मारपीट तक पहुंच गई।

टोल प्लाजा पर कर्मियों की गुंडागर्दी

छिजारसी. दिल्ली-लखनऊ हाईवे सबसे ज्यादा व्यस्त रहता है। इस पर प्रतिदिन 40 से 50 हजार वाहन सफर करते हैं। यहां पर स्थित छिजारसी टोल प्लाजा पर टोल कर्मियों के अभद्रता करने का मामला सामने आया है। जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मंगलवार सुबह छिजारसी टोल पर पर टोल कर्मियों का गाड़ी सवारों से अभद्रता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। जिसमें पीछे चल रहा गाड़ी चालक बताता है कि आधा घंटे से टोलकर्मी गाड़ी सवारों से अभद्रता कर रहे हैं। इसको लेकर हाथापाई शुरू हो जाती है। अन्य लोगों के समझाने पर मामला शांत हो जाता है। जिस पर गाड़ी चालक टोल पर पहुंचा और आधा घंटे तक खड़े होने की बात केबिन में बैठे टोलकर्मी से बोलता है। जिस पर टोलकर्मी उससे भी अभद्रता करता है। गाड़ी सवार युवक वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर अपलोड कर देता है। देखते ही देखते वीडियो पर हजारों लाइक और कमेंट आ जाते हैं।

एंटी करप्शन का बड़ा एक्शन, AIG स्टांप और स्टेनो 1 लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोचा

मेरठ. एंटी करप्शन की विजिलेंस टीम ने शामली में अस्थायी तहसील परिसर में एआईजी स्टांप और उनके स्टेनो को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। मुंडेट के रहने वाले महेश कुमार से हथछोया में जमीन के बैनामे में कम स्टांप शुल्क दिखाने के लिए रिश्वत मांगी गई थी। दोपहर करीब डेढ़ बजे मेरठ की एंटी करप्शन टीम बनत स्थित तहसील परिसर पहुंची। टीम ने रजिस्ट्रार ऑफिस के ऊपर बने एआईजी स्टांप कार्यालय के आसपास अपनी फील्डिंग जमाई। इसके बाद मुंडेट निवासी महेश को रिश्वत की रकम देकर ऊपर कार्यालय में भेजा गया। वहां स्टेनो अश्वनी कुमार और एआईजी स्टांप रविंद्र मेहता मौजूद थे। महेश ने बातचीत के दौरान दोनों को रिश्वत की रकम थमा दी, तभी टीम ने दोनों को रंगे हाथ दबोच लिया।

कितनी भी बड़ी कंपनी हो, यात्रियों को तंग करने नहीं देंगे

नई दिल्ली. हवाई यात्रा बाधित होने के मुद्दे पर सरकार ने IndiGo के खिलाफ बड़े ऐक्शन की तैयारी कर ली है। केंद्र सरकार ने कोर्ट में कहा है कि कंपनी को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। साथ ही कहा है कि किसी भी कंपनी को यात्रियों को परेशान करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इससे पहले ही इंडिगो के रूट्स में 5 फीसदी की कटौती करने का फैसला लिया गया था।

इंडिगो संकट पर लोकसभा में बोलते हुए, केंद्रीय उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने कहा, 'ऑपरेशन तेजी से स्थिर हो रहे हैं, सुरक्षा पूरी तरह से लागू है, इंडिगो को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, यात्रियों की सुविधा और सम्मान की रक्षा की जा रही है और भारत के उड्डयन सेक्टर को और ज्यादा यात्री-केंद्रित बनाने के लिए लंबे समय के उपाय किए जा रहे हैं...।'

उन्होंने कहा, 'इंडिगो की दिक्कतें अब ठीक हो रही हैं। देशभर में अन्य एयरलाइन्स आराम से काम कर रही हैं। देशभर के एयरपोर्ट्स पर हालात सामान्य हैं। मंत्रालय की देखरेख में रिफंड्स, सामान का पता लगाना और यात्रियों की मदद करने के उपाय किए जा रहे हैं। DGCA की तरफ से इंडिगो नेतृत्व को कारण बताओ नोटिस भेजे गए हैं और जांच शुरू की गई है।'

उन्होंने कहा, 'रिपोर्ट के आधार पर उचित और कठोर कार्रवाई की जाएगी। कोई भी एयरलाइन्स हो, फिर भले ही वह कितनी भी बड़ी क्यों न हो। उसे यात्रियों को ऐसे परेशान नहीं करने दिया जाएगा।'

DGCA ने कर दी कटौती

डीजीसीए ने मंगलवार को कहा कि उसने एक दिसंबर 2025 से बड़े पैमाने पर उड़ान व्यवधानों के बाद विमान कंपनी इंडिगो की उड़ान सेवाओं में पांच प्रतिशत की कटौती है। मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। बयान के अनुसार, सभी क्षेत्रों में उड़ानों में कटौती की गई है खासकर उच्च मांग वाले मार्गों पर। इंडिगो को बुधवार शाम पांच बजे तक डीजीसीए को संशोधित शेड्यूल प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया गया है।

ऐसा कोई कानून नहीं होना चाहिए जो जनता को परेशान करे - बोले पीएम मोदी

इंडिगो संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि किसी भी नियम या कानून का इस्तेमाल जनता को परेशान करने के लिए नहीं होना चाहिए। बीजेपी की संसदीय दल की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यह बात कही है। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने लोगों की जिंदगी सुधारने के लिए रिफॉर्म्स पर बहुत जोर दिया है। केवल आर्थिक सुधार नहीं बल्कि देश के आम लोगों की जिंदगी को आसान बनाने के लिए सुधार। उन्होंने हमें गाइडलाइन दिए हैं कि भारतवासी होने के नाते सभी को सरकार से तकलीफ नहीं होना चाहिए, यह सुनिश्चित करना है।

CJI पर जूता उछालने वाले वकील को चप्पल से पीटा

- **राकेश किशोर लगाते रहे सनातन का जयकारा**

नई दिल्ली. तत्कालीन चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बीआर गवई पर जूता उछालने के आरोपी वकील राकेश किशोर पर हमले का वीडियो सामने आया है। कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में राकेश किशोर पर एक दूसरे वकील ने चप्पल से हमला कर दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में वकील राकेश किशोर इस दौरान 'सनातन धर्म की जय' का नारा लगाते हुए दिख रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में हमलावर का चेहरा नहीं दिख रहा है। कोर्ट परिसर में बुजुर्ग वकील पर अचानक चप्पल से पीटा गया। राकेश किशोर ने भी हाथ चलाकर जवाब देने की कोशिश की। इस दौरान पहले वह यह पूछते रहे कि क्यों उन पर हमला किया जा रहा है। फिर वह 'सनातन धर्म की जय' का नारा लगाते रहे। आसपास मौजूद वकीलों और अन्य लोगों ने बीच बचाव करते हुए स्थिति को संभाला।

निलंबित हुए थे राकेश किशोर

71 साल के राकेश किशोर तब सुर्खियों में आए थे जब इसी साल 6 अक्टूबर को उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई से दौरान तब ते सीजेआई बीआर गवई की ओर जूता फेंकने का प्रयास किया। तत्काल प्रभाव से उनका लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था। प्रधान न्यायाधीश ने अदालत के अधिकारियों और मौजूद सुरक्षाकर्मियों से इसे 'अनदेखा' करने को कहा और दोषी वकील को चेतावनी देकर छोड़ दिया। अदालत में मौजूद सुरक्षाकर्मी जब राकेश को बाहर ले जा रहे थे तब उन्हें चिल्लाते हुए सुना गया, 'सनातन का अपमान नहीं सहेंगे।'

अखिलेश बोले-SIR के बहाने NRC किया जा रहा

- **TMC सांसद ने कहा- ये वोट डिलीट करने का टूल**

नई दिल्ली. शीतकालीन सत्र के 7वें दिन मंगलवार को लोकसभा में चुनाव सुधारों और स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) पर चर्चा चल रही है। इस दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार और चुनाव आयोग मिलकर SIR के बहाने अंदर ही अंदर NRC वाला काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यूपी के सीएम कह रहे हैं कि हम डिटेंशन सेंटर बना रहे हैं। जो ये खुलकर नहीं कर सकते हैं वो SIR के बहाने कर रहे हैं।

TMC सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि एसआईआर वोट डिलीट करने का टूल बनकर रह गया है। चुनाव आयोग किसी व्यक्ति की नागरिकता तय करने की अथॉरिटी नहीं है। चुनाव आयोग कह रहा है कि पांच लाख वोटर डिलीट, छह लाख वोटर डिलीट और बीजेपी जश्न मना रही है।

इससे पहले चर्चा की शुरूआत कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि देश के 12 राज्यों में किया जा रहा SIR गैरकानूनी है। संविधान में पूरे राज्य में एक साथ SIR को लेकर कोई कानून नहीं है,

इंडिगो संकट से सबक ले रेलवे

- **हमारी थकान से खतरा बढ़ रहा है**
- **अब लोको पायलटों ने दी चेतावनी**

नई दिल्ली. हाल ही में इंडिगो एयरलाइंस में पैदा हुए बड़े संकट ने न केवल विमानन क्षेत्र को हिला दिया है, बल्कि भारतीय रेलवे के लोको पायलटों को भी अपनी लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को दोहराने का मौका दे दिया है। ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन (एआईएलआरएसए) ने केंद्र सरकार से अपील की है कि एयरलाइन पायलटों के लिए लागू किए गए थकान प्रबंधन नियमों (फटीग रिस्क मैनेजमेंट सिस्टम) को रेलवे में भी तुरंत अमल में लाया जाए। एसोसिएशन का कहना है कि लोको पायलटों की थकान से रेल दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा है और इंडिगो जैसी स्थिति रेलवे में भी आ सकती है।

लोको पायलट काफी समय से भारतीय रेलवे में पेंडिंग लोको पायलट रिक्तियों और श्रम सुधारों में देरी को लेकर विरोध जता रहे हैं। उन्होंने सोमवार को रेलवे प्रशासन को चेताया कि इंडिगो एयरलाइन संकट से सीख लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चाहे आसमान में हों या पटरियों पर- थका हुआ क्रू सीधे यात्री सुरक्षा को खतरे में डालता है।

ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन ने रेलवे को सौंपे गए प्रतिनिधित्व पत्र में कहा कि लंबे समय से लंबित क्रू प्रबंधन सुधार, गैर-वैज्ञानिक रोस्टर और थका देने वाली ड्यूटी न सिर्फ कर्मचारियों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही हैं, बल्कि सुरक्षा मानकों को भी कमजोर कर रही हैं। AILRSA ने अपने पत्र में लिखा- आधुनिक नींद विज्ञान पर आधारित नियम कोई ड्यूटी से बचने की मांग नहीं, बल्कि सुरक्षा मानकों की अनिवार्यता है।

इंडिगो संकट का उदाहरण देते हुए रेलवे को चेतावनी

AILRSA के केंद्रीय कार्यकारी समिति सदस्य पी.एन. सोमन ने द हिंदू से बातचीत में कहा कि रेलवे को मौजूदा एविएशन संकट से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा- विमानन क्षेत्र की तुलना में रेलवे तकनीकी दृष्टि से बहुत पीछे है, लेकिन यह रोजाना करोड़ों यात्रियों को ढोता है। ऐसे में लोको पायलटों की सतर्कता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अमित शाह बोले-वंदे मातरम् का विरोध गांधी परिवार के खून में

- **इंदिरा नारे लगाने पर जेल भेजती थीं**
- **खड़गे बोले- रुपए गिरने पर चर्चा करें**

नई दिल्ली. राज्यसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' पर मंगलवार को चर्चा हुई। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- जो लोग वंदे मातरम् के महत्व को नहीं जानते वे इसे चुनाव से जोड़ रहे हैं। शाह के बयान को प्रियंका गांधी के बयान से जोड़ कर देखा जा रहा है। हालांकि शाह ने प्रियंका का नाम नहीं या।

एक दिन पहले लोकसभा में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा था- वंदे मातरम् गीत 150 साल से देश की आत्मा का हिस्सा है। आज इस पर बहस क्यों हो रही है? मैं बताती हूं- क्योंकि बंगाल का चुनाव आ रहा। मोदी जी उसमें अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं।

शाह ने संबोधन में कहा- जब वंदे मातरम 100 साल का हुआ, पूरे देश को बंदी बना दिया गया। जब 150 साल पर कल सदन (लोकसभा) में चर्चा शुरू हुई, गांधी परिवार के दोनों सदस्य (राहुल-प्रियंका) नदारद थे। वंदे मातरम् का विरोध नेहरू से लेकर आज तक कांग्रेस नेतृत्व के खून में है।

दरअसल राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने के मौके पर भारत सरकार की ओर से सालभर का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

2 दिसंबर को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सभी दलों के प्रतिनिधियों की मीटिंग बुलाई थी। इसमें तय किया गया था कि वंदे मातरम को लेकर 8 दिसंबर को लोकसभा और 9 दिसंबर को राज्यसभा में चर्चा होगी।

दुबई में छिपे कफ सिरप केस के मुख्य आरोपी शुभम को प्रत्यर्पण पर भारत लाया जाएगा

कोडीन युक्त सिरप की तस्करी कर करोड़ों रुपये की कमाई करने वाले गिरोह के मास्टर माइंड शुभम जायसवाल को दुबई से प्रत्यर्पण कर भारत लाया जाएगा। इसके लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। दुबई ऐसे मामलों में पूरा सहयोग करता है। दुबई में छिपे शुभम के साथ ही उसके सहयोगियों को भी कार्रवाई के दायरे में लाया जाएगा। पिछले साल फरवरी में फेंसेडिल सिरप की बड़े पैमाने पर तस्करी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में पकड़ी गई थी। इसके बाद जांच हुई तो विभोर राणा और विशाल को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया। इन लोगों ने पूरे नेटवर्क का खुलासा किया, तब पहली बार वाराणसी निवासी शुभम जायसवाल का नाम सामने आया। जांच के दौरान ही अमित टाटा, फिर बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह की गिरफ्तारी से पूरा खेल ही सामने आ गया। डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि शुभम को भारत लाने की प्रक्रिया की जा रही है।

मोदी बोले- फालतू पेपरवर्क खत्म हो

- **नियम-कानून परेशानी के लिए नहीं, जिंदगी आसान बनाने के लिए हो**
- **बार-बार डेटा जमा करना बंद करना होगा**

नई दिल्ली. संसद की लाइब्रेरी बिल्डिंग में मंगलवार को नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (NDA) की संसदीय दल की बैठक हुई। बिहार विधानसभा चुनाव में NDA की जीत पर प्रधानमंत्री का माला पहनाकर सम्मान किया गया। पीएम ने बैठक में कहा, 'मैं फालतू पेपरवर्क और 30-40 पेज के फॉर्म का कल्चर खत्म करना चाहता हूं। हमें नागरिकों के दरवाजे पर सर्विस देनी होगी, बार-बार डेटा जमा करने की जरूरत को खत्म करना होगा।'

पीएम ने इंडिगो संकट पर कहा- लोगों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए, उन्हें असुविधा नहीं होनी चाहिए। नियम और कानून अच्छे हैं, लेकिन सिस्टम को ठीक करने के लिए लोगों को परेशान करना सही नहीं है। बैठक में पीएम ने 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बिहार जीत के शिल्पकार हैं।

संबोधन की अहम बातें...

सरकार ने सेल्फ-सर्टिफिकेशन की इजाजत देकर नागरिकों पर भरोसा किया। इस बात पर जोर दिया कि यह भरोसा बिना किसी गलत इस्तेमाल के 10 साल से कामयाबी से काम कर रहा है। ईज ऑफ लाइफ और ईफ ऑफ डूइंग बिजनेस दोनों ही मोदी सरकार की प्राथमिकता है।

देश अब पूरी तरह से 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' फेझ में है, जहां सुधार तेजी से और साफ इरादे से हो रहे हैं।सरकार के सुधार पूरी तरह से नागरिक-केंद्रित हैं, न कि सिर्फ आर्थिक या रेवेन्यू-केंद्रित। इसका लक्ष्य लोगों की रोजमर्रा की मुश्किलों को दूर करना है ताकि वे अपनी पूरी क्षमता तक बढ़ सकें।

IPL 2026 ऑक्शन के लिए 350 प्लेयर्स शॉर्टलिस्ट

- **ग्रीन, पृथ्वी शॉ, सरफराज खान पहले सेट में शामिल**
- **16 दिसंबर को अबूधाबी में ऑक्शन**

इंडियन प्रीमियर लीग (WPL) के मिनी ऑक्शन से पहले BCCI ने 350 प्लेयर्स को शॉर्टलिस्ट कर लिया है। 10 टीमों में 77 प्लेयर्स की जगह खाली है। इनमें 31 विदेशी स्लॉट भी शामिल हैं।

इसके लिए 1,355 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। ऑक्शन 16 दिसंबर मंगलवार को UAE समयानुसार दोपहर 1 बजे (भारतीय समय 2:30 बजे) से शुरू होगा।

डिकॉक को भी किया गया शामिल, पहली सूची में नाम नहीं था

क्विंटन डिकॉक का भी नाम शॉर्टलिस्ट की गई सूची में शामिल किया गया है। पहले शुरुआती सूची में उनका नाम नहीं था। लेकिन एक फ्रेंचाइजी की सिफारिश के बाद उनका नाम शामिल किया गया। हाल ही में उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास वापस लेकर भारत के खिलाफ विशाखापट्टनम में शतक जड़ा था। 33 साल के डिकॉक का बेस प्राइस इस बार 1 करोड़ रुपए रखा गया है। पिछले मेगा ऑक्शन में उन्हें 2 करोड़ में KKR ने खरीदा था, लेकिन इस बार उन्हें रिलीज कर दिया।

वहीं, 350 खिलाड़ियों में 40 खिलाड़ी का बेस प्राइज 2 करोड़ है। जिसमें वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई सिर्फ दो भारतीय हैं।

ऑक्शन की शुरुआत कैप्ड खिलाड़ियों से होगी

ऑक्शन की शुरुआत कैप्ड खिलाड़ियों से होगी। जिन्हें पांच कैटेगरी में बांटा गया है। इसमें बल्लेबाज, ऑलराउंडर, विकेटकीपर-बैटर, तेज गेंदबाज और स्पिनर शामिल हैं। इनके बाद इन्हीं कैटेगरी के अनकैप्ड खिलाड़ियों की बारी आएगी।

पार्टी की कमान संभालें निशांत, पटना में लगे पोस्टर

- **नीतीश के बेटे की एंट्री की अटकलें तेज**

पटना. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत की राजनीति में एंट्री को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। जनता दल यूनाइटेड के दफ्तर के बाहर लगी तस्वीरों से ऐसे संकेत मिल रहे हैं। हालांकि, पार्टी पहले ही साफ कर चुकी है कि इसे लेकर अंतिम फैसला निशांत की तरफ से ही लिया जाना है। ये पोस्टर ऐसे समय पर सामने आए हैं, जब जदयू ने राज्य में सदस्यता अभियान की शुरुआत की है।

राजधानी पटना स्थित जदयू के दफ्तर के बाहर पोस्टर लगे हैं। जिन पर लिखा है, 'अब पार्टी की कमान संभालें निशांत।' साथ ही लिखा है, 'नीतीश सेवक मांगें निशांत।'

शुक्रवार को जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने निशांत के नाम की चर्चा छेड़ दी थी। पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने निशांत के राजनीति में आने के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था, 'पार्टी सदस्य, शुभ चिंतक और समर्थक, सभी चाहते हैं कि निशांत कुमार पार्टी में शामिल हो जाएं और काम करें। हम सभी यही चाहते हैं, लेकिन यह उनके ऊपर है कि वह कब पार्टी में आएंगे।'

कौन हैं निशांत कुमार?

20 जुलाई 1975 को जन्मे निशांत, नीतीश कुमार और मंजू सिन्हा के इकलौते बेटे हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती शिक्षा पटना के सेंट केरन्स से हासिल की और बाद में मसूरी स्थित मानव भारती इंडिया इंटरनेशनल स्कूल का रुख किया। इसके बाद वह मेसरा के BIT यानी बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गए। यहां उन्होंने सॉफ्टवेयर इंजनीयरिंग की शिक्षा ली। साल 2017 में निशांत ने कहा था कि उनकी राजनीति में आने में कोई दिलचस्पी नहीं है। इसके बजाए वह आध्यात्म का रास्ता अपनाएंगे। उन्होंने कहा था, 'मुझे राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है और ना ही इस क्षेत्र का ज्ञान है। मेरा पहला प्यार आध्यात्म है और मैं उसी राह पर आगे बढ़ रहा हूं।' हालांकि, इस साल जनवरी में भी बख्तियारपुर में एक कार्यक्रम में नजर आए थे और पिता के लिए समर्थन जुटा रहे थे।

एक्टर विजय की रैली में पहुंचा हथियारबंद शख्स

- **हादसे के बाद पुदुच्चेरी में हो रही पहली सभा**

करूर. अभिनेता से राजनेता बने जोसेफ विजय की पुदुच्चेरी में आयोजित पहली बड़ी सार्वजनिक सभा के दौरान एक हथियारबंद व्यक्ति को हिरासत में लेने का मामला सामने आया है। यह घटना करूर हादसे के बाद विजय की पहली सार्वजनिक उपस्थिति के दौरान हुई, जिसके बाद सुरक्षा चिंताएं और बढ़ गई हैं। पुदुच्चेरी पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया और हथियार जब्त कर लिया।

पुदुच्चेरी के उप्पलम एक्सपो ग्राउंड में तमिलागा वेट्री कजगम (टीवीके) की इस सभा में प्रवेश के लिए सख्त सुरक्षा जांच चल रही थी। मेटल डिटेक्टर गेट पर रूटीन चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति के पास पिस्तौल होने का पता चला। पुलिस ने उसे तुरंत हिरासत में ले लिया और पूछताछ शुरू कर दी। आरोपी व्यक्ति की पहचान डेविड के रूप में हुई, जो पार्टी के शिवगंगा जिले के सेक्रेटरी प्रभु का गार्ड था।डेविड टीवीके का स्वयंसेवक होने का दावा कर रहा था, लेकिन उसके वैलिड वैध एंट्री पास नहीं था।

परोपकार सेवा समिति ने जरूरतमंदों में बाँटी गर्माहट

- **पुण्यतिथि पर उमड़ा मानवीय सहभाव**

दिखौली, सुल्तानपुर (उत्तर प्रदेश). दिसंबर की सर्द हवा जब अपने पूर्ण असर में हो, ऐसे समय किसी जरूरतमंद को गर्माहट देकर उसका मन हल्का कर देना—यही संवेदना सुल्तानपुर के दिखौली ग्राम में उस क्षण जीवंत हो उठी, जब परोपकार सेवा समिति दिखौली द्वारा वरिष्ठ पत्रकार गुरुप्रसाद सिंह के माता–पिता स्व. मूलप्रताप सिंह और स्व. तालुका देवी की पुण्यतिथि पर साड़ी और कंबल वितरण का भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। गाँव के नीलकंठ महादेव, लक्ष्मी एवं गणेश मंदिर परिसर में सुबह से ही लोगों का आना-जाना शुरू हो गया था, और वातावरण में ऐसी आत्मीयता घुली हुई थी जिसने पूरे आयोजन को परिवार के उत्सव जैसा रूप दे दिया।

कार्यक्रम में गाँव के अधिकांश गणमान्य नागरिक, बुजुर्ग, महिलाएँ और युवा बड़ी संख्या में मौजूद थे। मुंबई से आए समाजसेवी हनुमान शुक्ला ने जब जरूरतमंदों के हाथों में कंबल और साड़ी थमाई, तो अनेक चेहरे आत्मिक संतोष से चमक उठे। उनके साथ काका श्री ओंकारनाथ सिंह, काका ननकू सिंह, बब्बन सिंह, पूर्व लेखपाल कपिलदेव सिंह, समाजसेवी विवेक सिंह,दिलीप सिंह, पूर्व प्रधान अमरजीत गोसाईं, संतोष सिंह, अजय सिंह, गिरजेश सिंह, पूर्व बीडीसी अजय सिंह, ठाकुर शेषनाथ सिंह, रंजीत सिंह, लालबहादुर सिंह, भाने सिंह, फूदी सिंह, हरदेव सिंह, संजय सिंह, सुमित सिंह, सोहम सिंह, पन्नालाल धईकार,ग्राम सभा सदस्य राजेश सिंह, शिवाकांत पाण्डेय, मिलहू पंडित, कप्तान सिंह समेत अनेक सम्मानित ग्रामीणों ने भी अपने कर-कमलों से वस्त्रदान में सहभागिता निभाई।

महिला शक्ति की ओर से वीना जीपी सिंह, केश कुमारी बब्बन सिंह और अखिलेश संजय सिंह, पुष्पा केपी सिंह की उपस्थिति ने पूरे आयोजन को और अधिक सौहार्दपूर्ण बना दिया। उनकी सहभागिता ने यह संदेश दिया कि सेवा का कार्य तब पूर्ण होता है जब समाज का हर वर्ग दिल से साथ खड़ा हो।

गाँव के करीब 551 जरूरतमंद परिवारों को साड़ी और कंबल प्राप्त हुए। कई बुजुर्ग महिलाएँ साड़ी लेते हुए भावुक दिखीं, और अनेक परिवारों ने गर्म कंबल को छूते ही मुस्कुराकर ״सिंह परिवार״ को आशीर्वाद दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि स्व. मूल प्रताप सिंह और माता तालुका देवी के जीवन में भी उदारता और करुणा प्रमुख मूल्य रहे थे, और उनकी पुण्यतिथि पर किया गया यह सेवा कार्य उन मूल्यों को एक बार फिर मूर्त रूप देता है।

दोपहर तक पूरा वातावरण मानवीय संवेदना और सामाजिक सामूहिकता से भर गया। गांव के बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएँ—सबके चेहरों पर यह संतोष स्पष्ट था कि सर्दी की इस ऋतु में कोई भी परिवार बिना गर्माहट के न रहे। दिखौली ग्राम सभा उस दिन सचमुच सेवा, स्मृति और मानवता के संगम जैसा दिखाई दिया।

संक्षेप...

एयरपोर्ट से फेलिक्स मथाइस चढ़ा मंगलुरु पुलिस के हत्थे

मुंबई. मुंबई हवाई अड्डे से मंगलुरु सिटी पुलिस ने फेलिक्स एडवर्ड मथायस (56) को गिरफ्तार किया है. जो चारकोप, मुंबई निवासी है. उन पर फरवरी 2024 में सोशल मीडिया पर भगवद गीता और महिलाओं के बारे में, अपमानजनक पोस्ट डालकर धार्मिक भावनाएं आहत करने तथा नफरत फैलाने का आरोप है. मामले में एक अन्य आरोपी एविगन जॉन डिसूजा (57) को पहले ही 11 अगस्त 2024 को गिरफ्तार किया जा चुका है. मुंबई पुलिस के अनुसार फेलिक्स मथायस उस समय सऊदी अरब में नौकरी कर रहे थे. इसलिए उनकी गिरफ्तारी नहीं हो पाई. मंगलुरु पुलिस ने उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया था. जैसे ही वे सऊदी अरब से लौटकर मुंबई एयरपोर्ट पर उतरा, इमीग्रेशन विभाग के अधिकारियों ने उन्हें हिरासत में लिया और मंगलुरु पुलिस को सूचना दी.

मुंब्रा में करोड़ों की चरस पकड़े जाने पर सहायक पुलिस आयुक्त का बड़ा खुलासा

ठाणे. मुंब्रा पुलिस स्टेशन, ठाणे शहर के एनडीपीएस पथक को नशा विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने ड्रग्स तस्करी में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से 2 किलो 205 ग्राम चरस बरामद की है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 1 करोड़ 10 लाख 25 हजार रुपये बताई जा रही है।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल शिंदे द्वारा मुंब्रा क्षेत्र में ड्रग्स की बिक्री और सेवन पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए थे। इन निर्देशों के अनुसार सपोनि रोहित केदार, सपोनि गणेश जाधव सहित एनडीपीएस टीम क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने कौसा, एरोली–मुंब्रा ब्रिज टनेल के पास एक व्यक्ति को निर्जन स्थान पर संदिग्ध गतिविधि करते हुए देखा। पुलिस को देखते ही वह व्यक्ति भागने लगा, मगर पोलिस दल ने उसका पीछा कर उसे पकड़ लिया।

सूचना दिए जाने पर पुलिस निरीक्षक नितीन पगार भी मौके पर पहुँचे। पंचों की मौजूदगी में आरोपी की तलाशी ली गई। उसके पास से पिशवी में छिपाकर रखी गई 2 किलो 205 ग्राम चरस कीमत लगभग 1,10,25,000 बरामद की गई। गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम मोहम्मद हारून हसरत अली सिद्दीकी (42 वर्ष), निवासी मुंब्रा, ठाणे, आरोपी के खिलाफ गु.र.क. ए 1988/2025 एनडीपीएस एक्ट की धारा 8(क), 20 (ब) ॥ (क), 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। न्यायालय ने आरोपी को पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी चरस जम्मू-कश्मीर से मंगवाकर ठाणे और आसपास के क्षेत्रों में बेचता था। उसके खिलाफ अजमेर (राजस्थान) में भी एक मामला दर्ज है। पुलिस उसके अन्य नेटवर्क, सप्लाई चैन और संपर्कों की जांच कर रही है। मुंब्रा एनडीपीएस टीम की लगातार सफलताएँ अब तक 324 नशा सेवनकर्ताओं पर कार्रवाई कि जा चुकी हैं और 27 तस्करों की गिरफ्तारी की गई। इन सारे मामलों में कुल अंदाजे 3,41,05,000 मूल्य के अमली पदार्थ बरामद किए हैं। टीम ने स्पष्ट किया है कि नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ आगे भी सख़्त कार्रवाई जारी रहेगी।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस आयुक्त, ठाणे शहर आशुतोष डुंबरे, पुलिस सह आयुक्त ज्ञानेश्वर चव्हाण, अपर पुलिस आयुक्त, पश्चिम प्रादेशिक विभाग विनायक देशमुख, पुलिस उपायुक्त, परिमंडल-1 सुभाष बुरसे, सहायक पुलिस आयुक्त, कलवा प्रिया डामले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल शिंदे, वहीं कार्रवाई को सफल बनाने में पुलिस निरीक्षक नितीन पगार, शरद कुंभार, राजू पाचोरकर, API रोहित केदार API गणेश जाधव व NDPS पोलिस दल के वासिम तडवी, सागर सपकाळ,सागर महानगडे, सचिन पाटील, नवनाथ तेलंगे, निलेश वर्पे पुलिस कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

फडणवीस-शिंदे ने बंद कमरे में की डील

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में फिर महायुति बनाम MVA की टक्कर

मुंबई. महाराष्ट्र में जल्द ही नगर निगम के चुनाव होने वाले हैं। इसे लेकर राज्य में सियासी हलचल तेज होने लगी है। बीते दिन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुलाकात की।

बंद कमरे में दोनों की बैठक डेढ़ घंटे तक चली, जिसके बाद दोनों इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि आगामी चुनाव में महायुति गठबंधन एक-साथ में चुनाव लड़ेगा।

महायुति ने मिलाया हाथ

महाराष्ट्र के बीजेपी अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले और शिवसेना के वरिष्ठ नेता रवींद्र छावन भी इस बैठक में मौजूद थे। शिवसेना ने आधिकारिक जानकारी देते हुए कहा, मुंबई और ठाणे समेत आगामी चुनाव को लेकर दोनों पार्टियों के बीच सकारात्मक बातचीत हुई है। दोनों साथ में चुनाव लड़ेंगे।

जल्द होगा सीट बंटवारा

बैठक में इसपर भी सहमति बनी है कि शिवसेना और बीजेपी के कार्यकर्ता या नेताओं को एक-दूसरे की पार्टी में जाने की इजाजत नहीं मिलेगी।

अगले दो से तीन दिन में स्थानीय स्तर पर भी बातचीत का दौर शुरू हो जाएगा। इस दौरान सीट शेयरिंग से लेकर टिकट बंटवारे पर बात की जाएगी।

महायुति बनाम MVA का मुकाबला

महायुति के इस एलान के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव में एक बार फिर महायुति और महाविकास अघाड़ी (MVA) के बीच सीधी टक्कर देखने को मिल सकती है।

किस गठबंधन में कौन सी पार्टी?

जहां एक तरफ सत्ताधारी महायुति में बीजेपी, शिवसेना (शिंदे) और अजित पवार की एनसीपी शामिल है, तो दूसरी तरफ MVA में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) और शरद पवार की एनसीपी समेत अन्य पार्टियां मौजूद हैं।

ठाणे RTO ने घोड़बंदर रोड पर बेलगाम

ठाणे. शहर में बढ़ते ट्रैफिक जाम, नियम तोड़ने और बेलगाम ड्राइवरों की वजह से लोग बहुत परेशान हैं, वहीं परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की सलाह पर, ठाणे आरटीओ ने सख्त कदम उठाते हुए घोड़बंदर रोड समेत ज़रूरी सड़कों पर बेलगाम गाड़ियों पर कार्रवाई शुरू करने के आदेश जारी किए हैं। आने वाले दिनों में नियम तोड़ने वालों के लिए एक बड़ा अभियान चलाया जाएगा।

ठाणे मुख्य आरटीओ अधिकारी हेमांगिनी पाटिल के आदेश के मुताबिक, वायुदात टीम नंबर 1 से 5 के साथ-साथ 10 मोटर व्हीकल इंस्पेक्टरों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।उप आरटीओ अधिकारी रोहित काटकर ने बताया कि कोल्ड ड्रिंक ट्रक, ट्रैवल, प्राइवेट बस, भारी गाड़ियों के साथ-साथ गैर-कानूनी पार्किंग, लाइसेंस रजिस्ट्रेशन में गलतियां, नॉइज़ पॉल्यूशन बढ़ाने वाले मॉडिफिकेशन वगैरह सभी तरह के नियमों के उल्लंघन पर फोकस किया जाएगा।कई ड्राइवर रेगुलर तौर पर हेलमेट नहीं पहनते, लेन डिसिप्लिन का पालन नहीं करते, टू-व्हीलर पर तीन लोगों को बिठाते, गैर-कानूनी तरीके से सामान ले जाते और खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाते देखे जाते हैं। इससे घोड़बंदर रोड, ईस्ट-वेस्ट एक्सप्रेसवे, कलवा मजीवाड़ा इलाके में ट्रैफिक जाम बढ़ रहा है।इसे कंट्रोल करने के लिए, तुरंत एक 'स्पेशल इंस्पेक्शन कैंपेन' शुरू करने का ऑर्डर दिया गया है, और हर दिन नियम तोड़ने वालों के लिए सख्त कार्रवाई, गाड़ी सीज करना, लाइसेंस कैंसिल करना और सख्त सज़ा का प्रावधान किया जाएगा। उम्मीद है कि इससे आखिरकार घोड़बंदर रोड पर बेकाबू ड्राइवरों की वजह से होने वाले एक्सीडेंट, बेवजह हॉर्न बजाने और अफरा-तफरी से राहत मिलेगी।

> नियम तोड़ने वालों को कोई छूट नहीं दी जाएगी। ठाणे में ट्रैफिक को आसान और सुरक्षित रखने को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता दी जाएगी।
>
> **–रोहित काटकर**
> (उप आरटीओ अधिकारी, ठाणे)

घोड़बंदर रोड पर दो दिन भारी वाहनों का प्रवेश बंद

■ ट्रैफिक में बदलाव से ट्रैफिक जाम की संभावना

ठाणे. शहर के महत्वपूर्ण घोड़बंदर रोड पर ट्रैफिक जाम की समस्या कम नहीं हो रही है. शुक्रवार की रात से रविवार की रात तक मिरा -भायंदर मनपा क्षेत्र मे सड़क मरम्मत का कार्य लिया जाना है. जिसको देखते हुये ट्रैफिक में बदलाव किया गया है. जिसकी वजह से सप्ताह के अंत मेन लोगों को ट्रैफिक जाम की स्थिति का सामना एकबार फिर करना पड़ेगा.

घोड़बंदर रोड प्रमुख रूप से गायमुख रोड की हालत अभी तक ठीक नहीं हुई है,. शुक्रवार, 12 दिसंबर को रात 12 बजे से

कासारवडवली यातायात उपविभाग क्षेत्र के गायमुख नीरकेंद्र, काजूपाड़ा से फाउंटेन होटल के बीच डीबीएम मैस्टिक पद्धति से सड़क मरम्मत काम काम किया जाएगा. जिसकी वजह से रविवार, 14 दिसंबर की रात 12 बजे तक भारी वाहनों को दूसरे मार्गों पर डायवर्ट करने का नोटिफिकेशन ठाणे ट्रैफिक ब्रांच ने जारी किया है.

सड़क की मरम्मत के दौरान ठाणे से घोड़बंदर रोड की तरफ जाने वाली भारी गाड़ियों को वाई जंक्शन और कापूरबावड़ी जंक्शन से प्रवेश बंद कर दिया गया है. इन गाड़ियों को वाई जंक्शन से सीधे नासिक रोड होते हुए खारेगांव टोल प्लाजा, मानकोली, अंजुरफाटा और कापूरबावड़ी से बाएंटरफ़ घूम कर कशेली, अंजुरफाटा होते हुए दूसरे पर्यायी मार्ग से जाने की अनुमति दी गयी है.

दूसरी तरफ, मुंब्रा, कलवा से घोड़बंदर रोड की तरफ आने वाली गाड़ियों को खारेगांव टोल प्लाजा से प्रवेश बंद कर दिया गया है. ये गाड़ियां खारेगांव खाड़ी ब्रिज, खारेगांव टोल प्लाजा, मानकोली, अंजुरफाटा होते हुए अपने गंतव्य स्थल तक जाएंगी.

ट्रक की टक्कर से युवक की दुर्घटना स्थल पर दर्दनाक मौत

भिवंडी. भिवंडी ठाणे रोड पर काल्हेर स्थित बी मार्ट के सामने सड़क पर सोमवार रात एक तेज रफ्तार ट्रक द्वारा बाइक सवार युवक को टक्कर मारने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। इस संबंध में नारपोली पुलिस स्टेशन में ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हादसे में मारे गए बाइक सवार का नाम नरेश खिमजी मीनात (44, निवासी बोरीवली, मुंबई) है। पुलिस के मुताबिक, नरेश सोमवार को काम के सिलसिले में भिवंडी आया था।इस बीच, रात करीब 10 बजे, जब वह भिवंडी से अंजुर फाटा होते हुए ठाणे की ओर दोपहिया वाहन से जा रहा था, तभी टाटा कंपनी के हाईवे ट्रक के.एम.एच. 04 जी.आर. 8717 के चालक ने लापरवाही और लापरवाही से अपने ट्रक को तेज गति से चलाते हुए मृतक नरेश के दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, जिससे ट्रक का अगला पहिया उसके चेहरे के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

इस बीच, घटना की जानकारी मिलते ही नारपोली पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच की, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। इस दुर्घटना मामले में मृतक नरेश के भाई भावेश मिनात की शिकायत पर नारपोली पुलिस स्टेशन में चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

मनपा भ्रष्ट अधिकारी स्नेहल पुण्यार्थी को सस्पेंड करने की मांग

■ अन्यथा आंदोलन की चेतावनी..

भिवंडी. भ्रष्टाचार में लिप्त मनपा अधिकारी स्नेहल पुण्यार्थी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए मनपा सेवा से सस्पेंड करने की मांग भीमशक्ति पार्टी अध्यक्ष सुरेश नाथा मस्के ने मनपा आयुक्त अनमोल सागर से की है.

मनपा आयुक्त को लिखित पत्र में उन्होंने आरोप लगाया है कि, स्नेहल पुण्यार्थी पूर्णतया भ्रष्ट है.बगैर पैसा लिए लोगों का कोई भी काम नहीं करता है.उन्होंने बताया है कि,मार्केट विभाग भिवंडी मनपा फंड में प्रतिदिन 80 से 90 हज़ार रुपए वसूली से जमा हो रहा था लेकिन मार्केट विभाग में स्नेहल पुण्यार्थी आने के बाद सिर्फ 20 से 30 हज़ार रुपये जमा रहा है,बाकी रकम भ्रष्ट तरीके से लूटी जा रही है. पिछले साल लाइसेंस डिपार्टमेंट द्वारा मनपा तिजोरी में 1.50 करोड़ रुपये जमा किए गए लेकिन जब से स्नेहल पुण्यार्थी आया है, तब से प्रति दिन सिर्फ़ 20 से 30 हज़ार रुपये ही जमा हो रहे हैं.आरोप है कि, स्नेहल पुण्यार्थी की वजह से मनपा को बहुत बड़ा फाइनेंशियल नुकसान हो रहा है. आरोप है कि,स्नेहल पुण्यार्थी मनपा में अनुकंपा के आधार पर काम कर रहे हैं.उनकी असली पोस्टिंग क्लर्क के तौर पर है. एजुकेशनल क्वालिफिकेशन 12वीं तक है तथा मनपा हेड के किसी भी पद का अनुभव न होने और सर्विस में कमी होने के बावजूद, उन्हें लाइसेंस, विज्ञापन, मार्केट और इनकम के 4 डिपार्टमेंट का चार्ज दिया गया है. 11 जून 2025 से अब तक उन्होंने भिवंडी मनपा से 80 से 90 लाख रुपये का भ्रष्टाचार किया है. सुरेश नाथा मस्के ने मनपा आयुक्त अनमोल सागर से पुण्यार्थी के खिलाफ डिपार्टमेंटल जांच और उन्हें तुरंत मनपा की सर्विस से सस्पेंड किए जाने की मांग की है अन्यथा आंदोलन की चेतावनी दी है.

पर्यावरण अनुकूल फ्यूल के इस्तेमाल पर वर्कशॉप आयोजित

ठाणे. हाई कोर्ट के निर्देशों और महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के आदेश के अनुसार, तंदूर प्रोडक्ट बनाने वाले बेकरी और होटल मालिकों के लिए फ्यूल के लिए कोयले और लकड़ी के बजाय पर्यावरण के अनुकूल LPG, PNG या बिजली का इस्तेमाल करना ज़रूरी है और इस बारे में गाइडेंस देने के लिए वर्कशॉप आयोजित की गई थी।यह वर्कशॉप मनपा अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे की अध्यक्षता में हुई। इस वर्कशॉप में बेकरी और होटल एसोसिएशन के प्रतिनिधि, FSSI के प्रतिनिधि, महानगर गैस डिस्ट्रीब्यूशन के प्रतिनिधि मुकेश पनोत्रा (AVP मार्केटिंग), LPG के प्रतिनिधि सचिन जाधव (हेड ऑफ़ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी केल्विन एनर्जी सॉल्यूशन) और मुकुल आहूजा (रीजनल ऑफिसर HPCL) मौजूद थे। ठाणे मनपा की ओर से चीफ फायर ऑफिसर, लाइसेंसिंग डिपार्टमेंट, एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट के अधिकारी मौजूद थे।इस वर्कशॉप में एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट ने बताया कि शुरुआती सर्वे में मनपा इलाके में कुल 47 बेकरी हैं, जिनमें से 30 बेकरी इलेक्ट्रिक फ्यूल से चल रही हैं। इस वर्कशॉप में बेकरी एसोसिएशन और होटल एसोसिएशन ने अपनी राय दी कि गैस कनेक्शन के लिए उनके एप्लीकेशन काफी समय से पेंडिंग हैं, और यह भी बताया कि नए फ्यूल पर शिफ्ट होने के दौरान बेकरी हटाने में काफी समय और पैसा लगता है। इस पर महानगर गैस डिस्ट्रीब्यूशन ने पेंडिंग बेकरी और होटलों की GPS जानकारी वाली टेबल देने की रिक्वेस्ट की। उन्होंने कहा कि जल्द ही अगले 15 दिनों में सर्वे किया जाएगा और फीजिबिलिटी चेक की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि पॉल्यूशन कंट्रोल के लिए बेकरी और होटल मालिकों को कीमत में कुछ छूट दी जाएगी। जहां PNG मुमकिन नहीं है, वहां LPG फ्यूल का इस्तेमाल किया जाए, और इस्तेमाल होने वाली गैस की मात्रा पर कोई छूट दी जा सकती है या नहीं, यह भी पूछा जाएगा, HPCL अधिकारी ने कहा। यह वर्कशॉप वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (WRI) और असर सोशल इम्पैक्ट एडवाइजर (ASAR) की शितिजा पेडनेकर, युतिका दलाल और विलास गीते ने की थी।

छुपे-रुस्तम हैं अक्षय खन्ना

साल में 1-2 फिल्म कर खड़ा किया करोड़ों का साम्राज्य

अक्षय खन्ना फिल्म इंडस्ट्री के उन स्टार्स में शुमार हैं जिनकी परफॉर्मेंस के लोग मुरीद रहते हैं. विनोद खन्ना जैसे सुपरस्टार के बेटे अक्षय खन्ना ने करियर की शुरुआत हिमालय पुत्र से की. आगे चलकर बॉर्डर और दिल चाहता है जैसी फिल्मों में काम किया. फिर वह सेक्शन 375 और दृश्यम 2 जैसी फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग दिखाकर छा गए थे.

28 मार्च 1975 को विनोद खन्ना और गीतांजलि के बेटे अक्षय को एक्टिंग विरासत में मिली. उनके बड़े भाई राहुल खन्ना भी फिल्मों में हैं. उनके नाना Bobby A. F. S. Talyarkhan क्रिकेटर कमेंटेटर थे. यही वजह थी कि अक्षय खन्ना का बचपन खेलकूद से भी भरा था. उन्होंने बॉम्बे इंटरनेशनल स्कूल और लॉरेंस स्कूल ऊटी से पढ़ाई पूरी की.

अक्षय खन्ना ने साल 1997 में हिमालय पुत्र फिल्म से डेब्यू किया. इस फिल्म में वह पिता विनोद खन्ना के साथ नजर आए. हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत ही रही. इसके बाद वह बॉर्डर में धर्मवीर सिंह भान के रोल में नजर आए. इस बार उन्होंने अपने रोल से सबका ध्यान खींचा. फिर वह ताल और दिल चाहता है में दिखे.

आगे चलकर अक्षय खन्ना ने करियर में कॉमेडी फिल्मों में भी काम किया. वह हलचल, हंगामा, रेस और 36 चाइना टाउन जैसी फिल्मों में दिखे. आगे चलकर गांधी माई फादर और हमराज जैसी सीरियस ड्रामा में भी दिखे. आगे चलकर साल 2010 में उन्होंने चार साल का ब्रेक किया.

फिर उन्होंने ढिशूम (2016), मॉम (2017), इत्तेफ़ाक (2017), और सेक्शन 375 (2019) जैसी फिल्मों के जरिए कमबैक किया. इन रोल के जरिए उन्होंने फैंस और आलोचकों का दिल जीत लिया.

फिर इसी साल उन्होंने विक्की कौशल की फिल्म छावा में औरंगजेब के किरदार से सबको हक्का बक्का कर दिया. उन्होंने इस नेगेटिव रोल से खूब तारीफ हासिल की. बिल्कुल वैसे ही जैसे आजकल धुरंधर फिल्म में रहमान डकैत के रूप में. उनकी एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है.

मेंटल हास्पिटल परिसर में काटे गए सैकड़ों पेड़

ठाणे. ठाणे शहर के मेंटल हास्पिटल परिसर में रेलवे स्टेशन व अस्पताल की एक बड़ी इमारत के निर्माण को लेकर बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई की जानी है. इसके लिए आपत्ति मंगाई गई है. जिसको लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के ठाणे शहर जिला अध्यक्ष मनोज प्रधान ने सोमवार को अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया. जिसके तहत जानकारी मिली कि आपत्ति जताए जाने से पहले ही सैकड़ों पेड़ काट दिए गए हैं. मनोज प्रधान ने मांग की कि इन पेड़ों को काटने वाले सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ ठाणे मनपा के वृक्ष प्राधिकरण के अधिकारियों के खिलाफ भी केस दर्ज किया जाए. बताया गया कि सार्वजनिक निर्माण विभाग ने ठाणे प्रादेशिक मनोरूग्णालय परिसर के कुल 1,614 पेड़ों में से 724 पेड़ों को काटने का प्रस्ताव मंजूरी के लिए ठाणे मनपा के पास भेजा है. इस प्रस्ताव में 303 पेड़ सीधे काटे जाने हैं, जबकि बाकी 421 पेड़ फिर से लगाए जाने हैं. लेकिन दोबारा पेड़ लगाने की जगह, रखरखाव और बचने की दर के बारे में अभी कुछ साफ़ नहीं है. इन पेड़ों में कटहल, कैलाशपति, अशोक, आम, बादाम, शेवगे, नारियल, ताड़, सागौन, भोकर, कंचन, अनंत, बेहरी माड़, नीम , चाफा, अंबर जैसे कई प्रजाति के पेड़ शामिल हैं. इस संदर्भ में मनोज प्रधान के नेतृत्व में महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सुजाता घाग, युवा अध्यक्ष राजेश कदम, मकसूद खान, राजेश साटम, दीपक क्षत्रिय सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने प्रादेशिक मनोरूग्णालय परिसर का जायजा लिया. उन्होने अस्पताल ले अधीक्षक नेताजी मुलिक से मुलाक़ात कर उन्हे ज्ञापन दिया. निरीक्षण में यह बात सामने आई कि कई जगहों पर पहले ही पेड़ काटे जा चुके हैं. इसमें कई बहुत पुराने पेड़ भी शामिल हैं. मनोज प्रधान ने कहा कि यहां देश का सबसे बड़ा साइकेट्रिक हॉस्पिटल बनने जा रहा है. या फिर रेलवे का विस्तार होने जा रहा है, हम इससे खुश हैं. हम विकास का स्वागत कराते हैं लेकिन, अगर शहर का आखिरी बचा जंगल भी खत्म किया जा रहा है, तो हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे. सबसे ज़रूरी बात यह है कि इस बारे में पूछने पर ठाणे मनपा के अधिकारी गोलमोल जवाब दे रहे हैं.

आम सूचना

मैं श्री जितेंद्रप्रसाद शिवशंकर सिंग सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, बैरक नं. 88 के पास, हिललाईन, तानाजी नगर, एमआयडीसी रोड, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 04एओ014200800) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती अनिता श्रावण गुप्ता के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 8.12.2025 सी.नं. 4125/2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री जितेंद्रप्रसाद शिवशंकर सिंग

जाहिर नोटीस

आम जनता को यह सार्वजनिक सूचना सभी लोगों को सूचित करने के लिए है कि मेरे पक्षकार श्री बबन विश्वनाथ अवाटे ने पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड से सर्वे नंबर 69, प्लॉट नंबर 5 बी, सी. एस. नंबर 3999, 4000, एस. नंबर 69, एच. नंबर 4, सी.एस. नंबर 4012/1, 4013/1 की संपत्ति पर शिवनगरी संकुल, ए विंग, फ्लैट नंबर 302, तीसरी मंजिल, एरिया 369 वर्ग फीट में होम लोन लिया है। मेरे पक्षकार की पत्नी स्वर्गीय रत्नाबाई बबन अवाटे का 21/01/2020 को निधन हो गया है। हमारे द्वारा लिया गया पूरा होम लोन अब चुका दिया गया है और मेरे पक्षकार को बैंक से उक्त फ्लैट के मूल दस्तावेज प्राप्त करने होंगे। यदि स्वर्गीय रत्नाबाई बबन अवाटे, पति श्री बबन विश्वनाथ अवाटे, पुत्र श्री के उत्तराधिकारियों के अलावा कोई भी उत्तराधिकारी या कोई अन्य व्यक्ति राजेश बबन अवाटे और विवाहित बेटी श्रीमती श्रद्धा रविंद्र घोलप (प्रथम नाम श्रद्धा बबन अवाटे) को उक्त फ्लैट के संबंध में या गृह ऋण के संबंध में या मेरे पक्षकारों द्वारा बैंक से मूल दस्तावेज स्वीकार करने के संबंध में कोई आपत्ति है, तो ऐसी आपत्ति को इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर पीरमल कैपिटल, और हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड अंबरनाथ या नीचे हस्ताक्षरकर्ता के पास प्लॉट नंबर 405, हेरम्भ कृपा सोसाइटी, भिड़े वाडा, तनसाई, अंबरनाथ (पूर्व), जिला ठाणे में लिखित रूप में पंजीकृत किया जाना चाहिए, अन्यथा ऐसी आपत्ति को अस्तित्वहीन या माफ कर दिया जाएगा और उसके बाद ऐसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

ठिकाणः कल्याण
दिनांकः 10/12/2025

सही/-
एड. रोशन जगताप
मो नं. ८१०८८२७८९०
मोहोने ताः कल्याण

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099